

वर्ष-23 अंक- 39
पृष्ठ 8
रविवार
25 अक्टूबर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- नाखूनों को चमकदार और सुंदर...

विचार- जेन जी के रेहान वाड़ा पर भाजपा...

खेल- तिलक वर्मा की जुझारू पारी से जीता...

एआई अपराधियों को नहीं बचा पाएगा, प्रदेश की वैज्ञानिक और विधिक क्षमता उन्हें खोज निकालेगी : सीएम योगी

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डीपफेक जैसी तकनीकों के दौर में अपराधों की कितना भी तकनीक का आवरण ओढ़ लें, उत्तर प्रदेश की वैज्ञानिक और विधिक क्षमता उन्हें खोज निकालेगी। एआई मददगार हो सकता है, लेकिन उसे निर्णायक नहीं बनना चाहिए। तकनीक का संचालन मानव विवेक से होना चाहिए, न कि मनुष्य तकनीक पर पूरी तरह निर्भर हो जाए। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक साक्ष्यों, फॉरेंसिक जांच और आधुनिक तकनीक के समन्वय से अपराधों का अनुसंधान प्रभावी होगा और न्याय मिलने में होने वाली देरी कम की जा सकेगी।

मुख्यमंत्री शनिवार को लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस (यूपीएसआईएफएस) में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'टेक संगम 2026' को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने क्वांटम फॉरेंसिक्स और विधिक अनुपालन के क्षेत्र में काम



करने वाले 'स्मफ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' का शुभारंभ किया। साथ ही कंसेंट मैनेजमेंट पोर्टल लॉन्च किया, 'अमेध' परियोजना की आधारशिला रखी और 'एआई इन कंस्ट्रक्शन' पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था में आए बदलाव का उल्लेख करते हुए बताया कि करीब 100 एकड़ जमीन पर बने इस संस्थान की भूमि पर कभी लखनऊ के एक बड़े भू-माफिया का कब्जा था। वर्ष 2017 में पुलिस अधिकारियों से

जानकारी मिलने के बाद जांच कराई गई और भू-माफिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। दूसरी एफआईआर दर्ज होते ही उसने आत्मसमर्पण कर जमीन छोड़ दी। योगी ने कहा कि एक दशक पहले लखनऊ में साइबर फॉरेंसिक और क्वांटम तकनीक जैसे विषयों पर चर्चा करना भी सपने जैसा लगता था। आज उसी जमीन पर बना संस्थान वैज्ञानिक जांच, आधुनिक अपराध अनुसंधान और तकनीकी शिक्षा को नई दिशा दे रहा है। फॉरेंसिक विज्ञान की

उपयोगिता समझाते हुए मुख्यमंत्री ने लोकप्रिय टीवी सीरियल 'सीआईडी' का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि पहले लोग टेलीविजन पर देखते थे कि एक बाल या फिंगरप्रिंट के आधार पर अपराधी तक कैसे पहुंचा जाता है। अब फॉरेंसिक विज्ञान और आधुनिक तकनीक की मदद से वास्तविक जीवन में भी ऐसी जांच संभव हो रही है। मुख्यमंत्री ने एक माफिया के मामले का जिक्र करते हुए कहा कि उसने वर्ष 1980 में पहला अपराध किया था, लेकिन

साक्ष्यों के अभाव और डीएनए सैंपल नष्ट होने के कारण उसे वर्ष 2022 में, यानी 42 साल बाद सजा मिल सकी। उन्होंने कहा कि यह उदाहरण बताता है कि अपराध की जांच में वैज्ञानिक साक्ष्य कितने महत्वपूर्ण हैं और समय पर साक्ष्य जुटाना क्यों जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि नए अपराधिक कानूनों के तहत सात वर्ष से अधिक की सजा वाले अपराधों में फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाने पर विशेष जोर दिया गया है। इसी जरूरत को देखते हुए प्रदेश की सभी 18 पुलिस रेंजों में फॉरेंसिक लैब विकसित की जा रही हैं। इनमें 12 लैब तैयार हो चुकी हैं, जबकि छह अन्य अंतिम चरण में हैं। इसके अलावा 150 से अधिक फॉरेंसिक वैन तैनात की गई हैं, ताकि घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए जा सकें और जांच में तेजी लाई जा सके। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर विवेचना मजबूत करने से न्यायालयों में मामलों के निस्तारण में अनावश्यक देरी कम करने में मदद मिलेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को दिया चार महीने का समयय क्या निर्देश दिए?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब मूल्यवान जल निकायों की सुरक्षा नहीं की जा रही हो, तो अदालतें इस स्थिति की अनदेखी नहीं कर सकतीं। शीर्ष कोर्ट ने सभी राज्यों और संबंधित अधिकारियों को आर्द्र भूमियों (वेटलैंड्स) की मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति की जांच करने और उनकी सीमाएं तय करने का निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि जल निकाय पीने के पानी का स्रोत हैं। इसलिए वे बेहद मूल्यवान (कीमती) हैं। वे संविधान के तहत मिले जीवन के अधिकार के दायरे में आते हैं। पीठ ने कहा, यह अदालत केवल मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकती और जल निकायों को असुरक्षित छोड़ने के परिणामों की अनदेखी नहीं कर सकती।

इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों और आर्द्रभूमि प्राधिकरणों को अपने निर्देश फिर से याद दिलाए। कोर्ट ने कहा कि यदि

जल निकायों की मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति की जांच अभी तक नहीं की गई है, तो यह काम किया जाए। इसके बाद इस प्रक्रिया में अपनाए गए तरीके और कार्यप्रणाली का विवरण देते हुए अनुपालन

काम में लगने वाले ब्यापक जमीनी प्रयासों और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की जरूरत से अवगत है। पीठ ने कहा, फिर भी स्थिति को ध्यान में रखते हुए हम इस पूरी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए चार



हलफनामा दाखिल किया जाए। कोर्ट ने शुरूआत में कहा था कि ये हलफनामे अधिकतम चार सप्ताह के भीतर दाखिल किए जाने चाहिए। पीठ ने कहा, वरिष्ठ वकील शंखर नाफड़े ने जोरदार तरीके से दलील दी है कि अधिकारियों की ओर से मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति की जांच करना समय लेने वाला काम होगा। उन्होंने इसके लिए छह से नौ महीने का उचित समय देने की मांग की है। पीठ ने कहा कि वह इस

महीने का समय देना उचित समझते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नियमों के प्रकाशित होने की तारीख से नौ साल बीत जाने के बाद भी जल निकायों की वास्तविक स्थिति की जांच और उनकी सीमाएं तय करने का काम पूरा नहीं हुआ है। सुप्रीम कोर्ट पक्षी प्रेमी आनंद आर्य, वकील एमके बालकृष्णन और गैर-सरकारी संगठन वनशक्ति की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

‘पीस बॉन्ड पर साइन नहीं करूंगी’, हाई कोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद भी नेहा बोरा का इनकार

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में विरोध-प्रदर्शनों को लेकर जारी पीस बॉन्ड के मामले में आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा ने हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि इस तरह के बॉन्ड का इस्तेमाल शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के संवैधानिक अधिकार को सीमित करने के लिए किया जा सकता है। नेहा ने साफ किया है कि वह खुद इस दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं करेंगी और न ही आइसा के किसी सदस्य से ऐसा करने को



कहेंगी। यह मामला उस समय चर्चा में आया, जब स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (एसईएम) ने नेहा बोरा को पीस बॉन्ड पर हस्ताक्षर करने के लिए नोटिस जारी किया। इसके बाद उन्होंने नोटिस को चुनौती देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी। नेहा बोरा ने पीस बॉन्ड पर हस्ताक्षर नहीं करने के पीछे अपने तर्क भी रखे हैं। उनका कहना है कि यह कदम केवल उनके व्यक्तिगत मामले तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर भविष्य में अन्य लोगों के विरोध-प्रदर्शन करने के अधिकार पर भी पड़ सकता है।

भारत को सिर्फ बाजार नहीं मानती जर्मन कंपनियां

गोयल बोले- रिसर्च और मैनुफैक्चरिंग में साथ बढ़ने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जर्मनी के बर्लिन में भारतीय छात्रों और शोधकर्ताओं से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत जर्मन कंपनियों के लिए सिर्फ सामान बेचने का बाजार नहीं रह गया है। जर्मनी भारत को मैनुफैक्चरिंग, रिसर्च और नई तकनीक विकसित करने के बड़े केंद्र के रूप में देख रहा है। जर्मनी की तकनीकी विशेषज्ञता और भारत की प्रतिभा मिलकर दोनों देशों के लिए नए अवसर पैदा कर सकती हैं।

पीयूष गोयल ने विदेशों में काम कर रहे भारतीय वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और शोधकर्ताओं को देश लौटने के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए सरकार उद्योग जगत, विश्वविद्यालयों और प्रमुख शोध संस्थानों के साथ मिलकर काम करेगी। कोशिश होगी कि भारत में ऐसा माहौल तैयार किया जाए, जहां प्रतिभाशाली लोगों को अपने काम



को आगे बढ़ाने के बेहतर अवसर मिलें। मंत्री ने बताया कि भारतीय शोधकर्ताओं से यह समझने की कोशिश की जा रही है कि वे देश लौटने के लिए किन सुविधाओं की उम्मीद करते हैं। उनके मुताबिक, प्रतिभाशाली लोगों को आकर्षित करने के लिए केवल अच्छा वेतन देना काफी नहीं है। बेहतर प्रयोगशालाएं, आधुनिक उपकरण, शोध के लिए जरूरी संसाधन और उद्योगों से जुड़कर

भारत अब जर्मन कंपनियों के लिए सिर्फ सामान बेचने का बाजार नहीं रह गया है। वे भारत को मैनुफैक्चरिंग, रिसर्च और नई तकनीक विकसित करने के बड़े केंद्र के रूप में देख रही हैं।

पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

काम करने के मौके भी उतने ही जरूरी हैं।

गोयल ने कहा कि भारत की युवा आबादी, कुशल पेशेवर और वैज्ञानिक प्रतिभा देश को कई तकनीकी क्षेत्रों में आगे ले जा सकती है। इसके लिए जरूरी है कि उद्योग और शोध संस्थान मिलकर नई तकनीक विकसित करें और उसे बाजार तक पहुंचाएं। उन्होंने पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर,

क्वांटम कंप्यूटिंग, स्मार्ट बैटरी, लॉजिस्टिक्स और कृषि को सहयोग के अहम क्षेत्र बताया। बर्लिन दौरे के दौरान गोयल ने जर्मन कंपनियों और शोध संस्थानों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने जर्मनी के फ्रॉनहोफर संस्थानों का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां करीब 22,000 वैज्ञानिक काम करते हैं और इनका बजट दो अरब यूरो से अधिक है।

कांग्रेस ने कभी संविधान का पालन नहीं किया, अपनी मनमानी से देश चलाया : नितिन नवीन

रांची (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को कांग्रेस पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी (कांग्रेस) ने कभी संविधान का पालन नहीं किया और अपनी मनमानी से देश चलाया। झारखंड के तीन-दिवसीय दौरे पर आए नवीन यहां भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के



उद्घाटन सत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित कर रहे थे। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, आज देश में संवैधानिक संस्थाओं और लोकतंत्र को चुनौती देने की कोशिश की जा रही है। संविधान की दुहाई देने वालों ने ही उसे तार-तार किया है। नवीन ने कहा, आपातकाल लगाने से लेकर कई राज्यों में राष्ट्रपति शासन लागू करने तक, कांग्रेस ने कभी संविधान का पालन नहीं किया और मनमाने तरीके से देश चलाया। लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश करने वाले ही आज हमें इस पर उपदेश दे रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पर देश में अराजकता पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। नवीन ने कहा, इसके लिए उन्हें न केवल देश के भीतर से, बल्कि विदेशी ताकतों से भी समर्थन मिल रहा है। राहुल गांधी अब देश की संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते हैं, लेकिन जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब उन्होंने कभी इन पर सवाल नहीं उठाए। शर कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करने से पहले नवीन ने सभी जिला अध्यक्षों और प्रभारियों के साथ बैठक की।

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र



Website
www.shaharsamta.com



Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

टीजीटी–पीजीटी अभ्यर्थियों ने दी निदेशालय का घेराव करने दी चेतावनी, पुरानी नियावली से भर्ती की मांग

प्रयागराज। टीजीटी–पीजीटी भर्ती में पुरानी नियमावली के अनुसार एक अवसर दिए जाने की मांग को लेकर आज अभ्यर्थियों का प्रतिनिधिमंडल एडीएम सिटी एवं सिटी मजिस्ट्रेट, प्रयागराज से मुलाकात करने पहुंचा। टीजीटी–पीजीटी भर्ती में पुरानी नियमावली के अनुसार एक अवसर दिए जाने की मांग को लेकर आज अभ्यर्थियों का प्रतिनिधिमंडल एडीएम सिटी एवं सिटी मजिस्ट्रेट, प्रयागराज से मुलाकात करने पहुंचा। अभ्यर्थियों का कहना है कि टीजीटी भर्ती के लिए भी नई नियमावली के अनुसार नोटिस जारी हो गया है, जिससे पुरानी नियमावली के तहत एक अवसर मिलने की उनकी उम्मीदों पर सवाल खड़े हो गए हैं।

अभ्यर्थियों ने प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष अपनी मांग



रखते हुए कहा कि उन्हें पुरानी नियमावली के अनुसार भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने का एक अवसर दिया जाना चाहिए। हालांकि, अभ्यर्थियों के मुताबिक, अधिकारियों की ओर से उन्हें कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला। साथ ही, उनकी जिलाधिकारी (डीएम), प्रयागराज से मुलाकात भी नहीं कराई गई।

अभ्यर्थियों का नेतृत्व कर रहे आशुतोष पांडेय ने कहा कि छात्र लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। यदि प्रशासन अभ्यर्थियों की मांगों को गंभीरता से नहीं लेता और उनके हितों को ध्यान में रखते हुए कोई ठोस कदम नहीं उठाता है, तो छात्र आंदोलन को और व्यापक करने के लिए बाध्य होंगे।

आशुतोष पांडेय ने घोषणा की कि सोमवार को शिक्षा निदेशालय का घेराव किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक अभ्यर्थियों की मांगों पर सुनवाई नहीं होती और उन्हें पुरानी नियमावली के अनुसार एक अवसर देने के संबंध में ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

अभ्यर्थियों ने प्रशासन से मांग की है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द वार्ता कराई जाए और टीजीटी–पीजीटी अभर्प्रैस में पुरानी नियमावली के अनुसार एक अवसर दिए जाने पर सकारात्मक निर्णय लिया जाए।

कैट ट्रिब्यूनल ने कहा: व्हाट्सएप पर ‘ओके’ लिखना छुट्टी मंजूरी का पुख्ता सबूत नहीं, रेलकर्मों की याचिका स्वारिज

प्रयागराज। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) इलाहाबाद ने कहा है कि व्हाट्सएप पर वरिष्ठ अधिकारी का ‘ओके’ लिखना अपने आप में सक्षम प्राधिकारी से छुट्टी मंजूर होने का पुख्ता सबूत नहीं है। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) इलाहाबाद ने कहा है कि व्हाट्सएप पर वरिष्ठ अधिकारी का ‘ओके’ लिखना अपने आप में सक्षम प्राधिकारी से छुट्टी मंजूर होने का पुख्ता सबूत नहीं है। खासकर तब, जब संबंधित अवधि में विभाग का प्रशासनिक कार्य किसी दूसरे अधिकारी के पास हो और वही छुट्टी मंजूर करने के लिए सक्षम हो। इस टिप्पणी के साथ न्यायिक सदस्य रजनीश कुमार राय ने प्रयागराज से फतेहपुर किए गए रेलवे कर्मचारी के तबादले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी।

आवेदक कर्मचारी उत्तर मध्य रेलवे में चीफ कमर्शियल सुपरवाइजर/कमर्शियल मैनेजमेंट इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत था। उसका कहना था कि वह 14 से 16 जुलाई 2025 तक तीन दिन की छुट्टी लेकर घर गया था। 16 जुलाई को उसने व्हाट्सएप के जरिये वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक (कोचिंग), प्रयागराज से 17 और 18 जुलाई की अतिरिक्त छुट्टी मांगी थी। अधिकारी ने जवाब में ‘ओके’ लिखा था। इसके बाद ड्यूटी पर लौटने पर उसका दुर्भावनापूर्ण तरीके से फतेहपुर तबादला कर दिया गया। याची ने तबादले को कैट में चुनौती दी। रेलवे की ओर से कहा गया कि नियमों के तहत छुट्टी मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) पोर्टल के माध्यम से सक्षम प्राधिकारी से मंजूर कराना जरूरी है। केवल आवेदन देने से छुट्टी स्वीकृत नहीं हो जाती। कैट ने कहा कि आवेदक ऐसा कोई ठोस साक्ष्य पेश नहीं कर सका, जिससे साबित हो कि उसका तबादला दुर्भावना या अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत दंड देने के उद्देश्य से किया गया था। तबादले की प्रक्रिया प्लेसमेंट कमेटी के माध्यम से पूरी की गई और सक्षम अधिकारी ने मंजूरी दी थी। ऐसे में प्रशासनिक जरूरतों के तहत किए गए तबादले को मनमाना या दंडात्मक नहीं माना जा सकता।

दो बार नौकरी से बर्खास्त किए गए आंकिक की बकाया वेतन सहित होगी बहाली, हाईकोर्ट का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सहकारी बैंक में कार्यरत आंकिक को दो बार बर्खास्त करने के आदेश निरस्त करते हुए बकाया वेतन सहित तत्काल सेवा में बहाल करने का निर्देश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सहकारी बैंक में कार्यरत आंकिक को दो बार बर्खास्त करने के आदेश निरस्त करते हुए बकाया वेतन सहित



तत्काल सेवा में बहाल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि बिना आरोप पत्र, विभागीय जांच और सुनवाई का अवसर दिए बर्खास्तगी करना प्राकृ तिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन है। न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने यह आदेश रोहित सिंह की याचिका पर दिया। याची सहकारी बैंक सहारनपुर में आंकिक के पद पर कार्यरत था। उसकी सेवाएं 23 मई और 13 जून 2026 के आदेशों से समाप्त कर दी गई थीं। याची ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि बर्खास्तगी से पहले न तो आरोप पत्र दिया गया और न ही मौखिक जांच या सुनवाई का अवसर मिला। कोर्ट ने भी दोनों आदेशों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि एक ही कर्मचारी की सेवाएं दो बार कैसे समाप्त की जा सकती हैं। संबंधित प्राधिकारी से जानकारी मांगे जाने पर स्वीकार किया गया कि तो अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू हुई और न ही आरोप पत्र दिया गया। कोर्ट ने दोनों बर्खास्तगी आदेश रद्द करने हुए याची को सेवा में निरंतरता, नियमानुसार बकाया वेतन और परिणामी सेवा लाभ देने का निर्देश दिया।

राजधानी से महंगा, प्रयागराज एक्सप्रेस से तक्रीबन दोगुना होगा स्लीपर वंदे भारत का किराया

प्रयागराज। वाराणसी से नई दिल्ली के बीच 31 अक्तूबर से शुरू होने जा रही देश की दूसरी और उत्तर प्रदेश की पहली स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस का काउंटडाउन शुरू हो गया है। इस ट्रेन का सफर राजधानी और प्रयागराज एक्सप्रेस के मुकाबले काफी महंगा होने की संभावना है।

वाराणसी से नई दिल्ली के बीच 31 अक्तूबर से शुरू होने जा रही देश की दूसरी और उत्तर प्रदेश की पहली स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस का काउंटडाउन शुरू हो गया है। इस ट्रेन का सफर राजधानी और प्रयागराज एक्सप्रेस के मुकाबले काफी महंगा होने की

संभावना है। रेलवे की ओर से वंदे भारत स्लीपर का मूल किराया तय कर दिया गया है। इसके तहत थर्ड एसी के लिए



2.40 रुपये, सेकंड एसी के लिए 3.10 रुपये और फर्स्ट एसी के लिए 3.80 रुपये प्रति किलोमीटर की दर तय की गई है। प्रयागराज जंक्शन से नई दिल्ली की लगभग 636

किलोमीटर की दूरी के लिए लागू होने वाले किराये में आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट चार्ज, 5 प्रतिशत जीएसटी और खानपान

रुपये होने का अनुमान है। इसके उलट, प्रयागराज जंक्शन से नई दिल्ली के बीच रोजाना चलने वाली लोकप्रिय प्रयागराज एक्सप्रेस का सामान्य किराया थर्ड एसी में 1,045 रुपये, सेकंड एसी में 1,455 रुपये और फर्स्ट एसी में 2,415 रुपये है। देखा जाए तो वंदे भारत स्लीपर का सफर प्रयागराज एक्सप्रेस की तुलना में लगभग दोगुना महंगा पड़ेगा और यह राजधानी एक्सप्रेस के किराये को भी पीछे छोड़ सकता है। बताया जा रहा है कि 31 अक्तूबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव हरी झंडी दिखाकर इस ट्रेन को रवाना कर सकते हैं।

प्रयागराज एयरपोर्ट: एक भी नई उड़ान नहीं

प्रयागराज। प्रयागराज एयरपोर्ट से हवाई सफर करने वाले यात्रियों को इस बार भी नई उड़ानों की सौगात नहीं मिली है। 25 अक्तूबर से 26

प्रयागराज एयरपोर्ट पर 25 अक्तूबर से 26 मार्च तक विंटर शेड्यूल लागू रहेगा। इस बार के शेड्यूल ने हवाई यात्रियों को निराश किया है। लगातार

विंटर शेड्यूल के तहत अकासा एयर की मुंबई उड़ान अब सप्ताह में सात दिन के बजाय छह दिन संचालित होगी। इंडिगो की दिल्ली और मुंबई



मार्च तक लागू रहने वाले विंटर शेड्यूल में कई विमानों के संचालन के दिन घटा दिए गए हैं। शनिवार को प्रयागराज से किसी भी उड़ान का संचालन नहीं होगा। मुंबई, दिल्ली, बंगलूरु, हैदराबाद, भुवनेश्वर और बिलासपुर के लिए उड़ानों का नया समय और साप्ताहिक कार्यक्रम भी तय किया गया है।

दूसरे वर्ष प्रयागराज से किसी नई उड़ान की शुरुआत नहीं हुई है। वहीं, शनिवार को एयरपोर्ट से एक भी उड़ान संचालित नहीं होगी। नए शेड्यूल में कई प्रमुख शहरों के लिए विमानों के संचालन के दिनों में भी बदलाव किया गया है।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के

की उड़ानें भी शनिवार को छोड़कर बाकी दिनों में उपलब्ध रहेंगी। इंडिगो की बंगलूरु उड़ान सप्ताह में चार दिन, जबकि हैदराबाद और भुवनेश्वर की उड़ानें तीन–तीन दिन संचालित होगी। एलाइंस एयर की प्रयागराज–दिल्ली और बिलासपुर सेवाओं का संचालन भी सीमित दिनों में होगा।

प्रयागराज में वायु प्रदूषण की स्थिति: 80 दिन बाद सबसे खराब हुई प्रयागराज की हवा, निर्माण कार्यों पर सवाल

प्रयागराज। प्रयागराज में लगातार दूसरे दिन वायु प्रदूषण बढ़ा। सिविल लाइंस में औसत एक्‍यूआई 152 दर्ज किया गया। शहर में चल रहे निर्माण कार्यों से उड़ती धूल को प्रदूषण बढ़ने की एक प्रमुख वजह माना जा रहा है। इसका असर सांस और दिल के मरीजों पर पड़ सकता है।

शहर में न तो काला धुआं उगलने वाले बड़े उद्योग हैं और न ही दशहरे पर अन्य बड़े शहरों की तरह बड़े पैमाने पर रावण दहन होता है। सड़कों पर वाहनों का दबाव भी महानगरों की अपेक्षा कम है। इसके बावजूद शहर की हवा दिन–ब–दिन खराब होती जा रही है। लगातार दूसरे दिन वायु

प्रदूषण का स्तर बढ़ने के पीछे बेतरतीब निर्माण कार्यों को भी जिम्मेदार माना जा रहा है।

सिविल लाइंस में शुक्रवार को औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्‍यूआई) 152 दर्ज किया गया। दिनभर में इसका

अधिकतम स्तर 306 तक पहुंच गया। औसत एक्‍यूआई के आधार पर शहर की वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में पहुंच गई। इस स्तर के प्रदूषण से संवेदनशील लोगों को परेशानी हो सकती है। फेफड़ों और दिल के मरीजों के साथ ही अस्थमा से पीड़ित लोगों की समस्याएं बढ़ सकती हैं।



बिगड़ रही है। पिछले चार दिनों से सुबह के समय कई इलाकों में धुंध छाई रहती है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से नगर निगम परिसर में लगाई गई लाइव सेंसर मशीन के आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार दोपहर

कंपनी के सर्विस इंजीनियर शुभम सिंह का कहना है कि मौसम में बदलाव और दशहरे पर हुई आतिशबाजी के कारण वायु प्रदूषण में बढ़ोतरी हुई है।

हवा खराब होने से दिल

और सांस के मरीजों की बढ़

सकती है परेशानी

हवा की गुणवत्ता खराब होने का असर दिल और सांस के मरीजों पर अधिक पड़ता है। ऐसे में उन्हें सुबह की सैर के दौरान मास्क लगाने की जरूरत है। इन मरीजों को हल्का व्यायाम करना चाहिए। सामान्य लोग भी मास्क लगाकर प्रदूषित हवा के संपर्क में आने से कुछ हद तक बच सकते हैं। — डॉ. आरके यादव, पूर्व प्रोफेसर, मेडिकल कॉलेज दिनभर उड़ती है धूल, आंखों और त्वचा तक पहुंचते हैं कण

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से भले ही बड़े हुए एक्‍यूआई के पीछे दशहरे पर रावण दहन और आतिशबाजी को कारण बताया जा रहा हो, लेकिन प्रयागराज में रावण दहन की संख्या इतनी अधिक नहीं है कि प्रदूषण का स्तर इतना बढ़ जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में जगह–जगह चल रहे बेतरतीब निर्माण कार्यों के कारण भी वायु प्रदूषण बढ़ रहा है।

सड़क और पुल निर्माण स्थलों पर बेतरतीब ढंग से खुदाई की जा रही है। इन स्थलों को न तो पर्दों से ढका गया है और न ही धूल उड़ने से रोकने के लिए नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जा रहा है। शहर के अलग–अलग हिस्सों में दिनभर धूल के गुबार छाए रहते हैं। धूल के कण आंखों और त्वचा से टकराते हैं, जिससे सड़क पर चलने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

हाईकोर्ट: दो दशक की बेदाग सेवा के बाद कदाचार को गंभीर बता बर्खास्तगी कठोर दंड, अपीलीय आदेश सजा की सीमा तक रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि कदाचार को गंभीर बताकर दो दशक की बेदाग सेवा करने वाले न्यायिक कर्मचारी की बर्खास्तगी न सिर्फ कठोर, बल्कि बेतुका दंड है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि कदाचार को गंभीर बताकर दो दशक की बेदाग सेवा करने वाले न्यायिक कर्मचारी की बर्खास्तगी न सिर्फ कठोर, बल्कि बेतुका दंड है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की एकल पीठ ने उन्नाव की जिला अदालत में तैनात रहे एक कर्मचारी की बर्खास्तगी और अपीलीय आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर की है। कोर्ट ने कदाचार के निष्कर्ष को बरकरार रखते हुए बर्खास्तगी और अपीलीय आदेश को सजा की सीमा तक रद्द कर दिया। साथ ही कर्मचारी के उत्तराधिकारियों को 25 प्रतिशत बकाया वेतन और उसकी पत्नी को पूरी पारिवारिक पेंशन देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ न्यायालय कर्मचारी (दंड एवं अपील) नियम–1976 कं नियम 7(4) के तहत अपीलीय प्राधिकारी को सजा की मात्रा पर स्वतंत्र रूप से विचार करना जरूरी है। केवल कदाचार को गंभीर बता देना इस कानूनी आवश्यकता को पूरा नहीं करता।

कर्मचारी ने 1977 में चतुर्थ श्रेणी के पद पर सेवा शुरू की थी। पदोन्नति के बाद वह उन्नाव के पुरवा स्थित सिविल जज (जूनियर डिवीजन) की अदालत में डिप्टी नाजिर के रूप में कार्यरत था। उसके खिलाफ 1997 में चार आरोपपत्र जारी किए गए। आरोप था कि याची ने 23 नवंबर 1994 को रात करीब नौ बजे तत्कालीन मुंसिफ मजिस्ट्रेट के आवास के पास नशे की हालत में एक होमगार्ड के साथ दुर्व्यवहार किया था। गश्त कर रही पुलिस ने उसे पकड़कर रातभर हिरासत में रखा।

जांच अधिकारी ने होमगार्ड से दुर्व्यवहार से संबंधित पहले आरोप को साबित नहीं माना। बाकी तीन आरोपों को सही पाया। इसके बाद जिला जज ने 21 दिसंबर 1998 को याची को बर्खास्त कर दिया। एक दिसंबर 1999 को उसकी विभागीय अपील खारिज की। इसके खिलाफ उसने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याचिका लंबित रहने के दौरान अप्रैल 2006 को उसकी मृत्यु हो गई। इसके बाद उसके कानूनी उत्तराधिकारियों को मामले में पक्षकार बनाया गया। याची के अधिवक्ता ने दलील कि विभागीय जांच ऐसे दस्तावेज पर आधारित थी, जिन्हें विधिवत साबित नहीं किया गया। कथित तौर पर उसकी चिकित्सकीय जांच करने वाले डॉक्टर और पुलिस रिकॉर्ड तैयार करने वाले अधिकारी को भी गवाही के लिए पेश नहीं किया गया। यह भी तर्क दिया गया कि जब पहला आरोप साबित नहीं हुआ तो शेष आरोपों को स्वतंत्र रूप से बरकरार नहीं रखा जा सकता।

राज्य सरकार के अधिवक्ता ने दलील दी कि रिट कोर्ट विभागीय अपील प्राधिकारी की तरह दोबारा साक्ष्यों का मूल्यांकन नहीं कर सकता। कोर्ट ने विभागीय जांच में कोई खामी नहीं पाई। कहा कि जांच के दौरान छह गवाहों के बयान दर्ज किए गए। याची को जिरह करने का अवसर मिला। जिन अनुपस्थित रहने वाले दो अधिकारी प्रासंगिक गवाह थे, लेकिन उनकी अनुपस्थिति मात्र से पूरी जांच अवैध नहीं हो जाती।

तीन महीने में भुगतान का आदेश

कोर्ट ने विभागीय जांच में हस्तक्षेप से इन्कार कर अनुकंपा नियुक्ति की मांग भी खारिज कर दी। हालांकि, कोर्ट ने उसकी पत्नी को सात अप्रैल 2006 से पारिवारिक पेंशन और उसकी पूरी बकाया राशि का हकदार माना। कोर्ट ने आदेश दिया कि बकाया पेंशन में 25 प्रतिशत बकाया वेतन तक सीमित राहत के कारण कोई कटौती नहीं की जाएगी। सेवा की काल्पनिक निरंतरता के आधार पर अन्य सभी सेवानिवृत्ति और मृत्यु–सह–सेवानिवृत्ति लाभ भी तीन महीने में जारी करना होगा।

कैबिनेट मंत्री नंदी के सरकारी लेटरपैड चोरी, दो पूर्व कर्मचारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के कार्यालय से डिजिटल डाटा और महत्वपूर्ण दस्तावेज चोरी कर दुरुपयोग करने का मामला सामने आया है। कोतवाली पुलिस ने दो लोगों



के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के कार्यालय से डिजिटल डाटा और महत्वपूर्ण दस्तावेज चोरी कर दुरुपयोग करने का मामला सामने आया है। कोतवाली पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। नंदी के मीडिया सलाहकार दिव्यांश शेखर सिंह ने पुलिस को बताया कि गौरव मिश्रा मंत्री के सोशल मीडिया की टीम में वीडियो एडिटर और ग्राफिक्स डिजाइनर के तौर पर काम करता था। उसके पास मंत्री से संबंधित डिजिटल डाटा, फोटो, हार्ड डिस्क और यूट्यूब अकाउंट का एक्सेस था। कार्यालय के कर्मचारियों ने कंप्यूटर और दराज की जांच की तो डिजिटल डाटा और महत्वपूर्ण दस्तावेज नहीं मिले। आरोप है कि गौरव ने पूर्व कर्मचारी दुर्गाश कुमार सिंह के साथ मिलकर इन संसाधनों का दुरुपयोग किया। दोनों ने मंत्री के सरकारी लेटरपैड की कूटरचना भी की। कोतवाली थाना प्रभारी सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है।

छात्र की मौत के खिलाफ फूटा गुस्सा, हाईवे पर चक्काजाम का प्रयास

प्रयागराज। छतनाग वार्ड के नैका गांव में ट्रैक्टर की चपेट में आने से 12 वर्षीय साइकिल सवार छात्र अभिनव की मौत के बाद शनिवार को परिजनों और ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। छतनाग वार्ड के नैका गांव में ट्रैक्टर की चपेट में आने से 12 वर्षीय साइकिल सवार छात्र अभिनव की मौत के बाद शनिवार को परिजनों और ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। पोस्टमार्टम के बाद शव पहुंचने पर परिजनों ने आरोपियों के घर बुलडोजर चलाने और कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर छतनाग मोड़ पर हाईवे जाम करने का प्रयास किया। सूचना पर पहुंचे एसपी झूंसी अरुण पाराशर ने पुलिस बल के साथ लोगों को हाईवे से हटाया। बाद में पुलिस की मौजूदगी में किशोर का अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर सात नामजद और अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की धारा में प्राथमिकी दर्ज की है। नैका गांव निवासी उमाकांत का बेटा अभिनव नैका प्राथमिक विद्यालय में कक्षा पांच का छात्र था। शुक्रवार शाम करीब छह बजे एक ट्रैक्टर गांव में राजाराम के यहां मिट्टी गिराकर लौट रहा था।

सांक्षिप्त

रंगों और रीलस के जरिए दुनिया देखेगी नई अयोध्या की भव्य तस्वीर-जयवीर

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार दीपोत्सव2026 में अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक वैभव और बदलते स्वरूप को रंगों व रचनात्मकता के जरिए दुनिया के सामने लाने की तैयारी कर रही है। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की ओर से चित्रकला और रील मेकिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इनके माध्यम से देशभर के कला प्रेमी और रचनात्मक प्रतिभाएं रामनगरी की परंपराओं, प्रमुख स्थलों, विकास कार्यो और दीपोत्सव की भव्यता को अपने अंदाज में प्रस्तुत कर सकेंगे। दोनों प्रतियोगिताओं में सभी आयु वर्ग के लोग हिस्सा ले सकते हैं। प्रविष्टियां जमा करने की अंतिम तिथि दो नवंबर निर्धारित की गई है। विजेताओं को दीपोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में सम्मानित किया जाएगा।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या भारत की आस्था, संस्कृति और गौरवशाली विरासत के प्रतीक रूप में स्थापित हुआ है। दीपोत्सव–2026 के अंतर्गत चित्रकला और रील मेकिंग प्रतियोगिता युवाओं व रचनात्मक प्रतिभाओं को अयोध्या के बदलते स्वरूप, विकास की गाथा और सनातन संस्कृति की भव्यता को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का सशक्त मंच प्रदान करेगी। हमारा उद्देश्य है कि आधुनिक तकनीक और रचनात्मकता के माध्यम से रामनगरी की सांस्कृतिक विरासत और विकास यात्रा जन–जन तक पहुंचे तथा वैश्विक पटल पर इसकी पहचान और अधिक सुदृढ़ हो।चित्रकला प्रतियोगिता की थीम शकला के माध्यम से अयोध्या का उत्सवश् रखी गई है। इसमें प्रतिभागियों को जलरंग माध्यम से मौलिक पेंटिंग तैयार करनी होगी। कलाकृति में अयोध्या की विरासत, सांस्कृतिक परंपराओं, ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों, विकास की नई तस्वीर या दीपोत्सव की भव्यता को दर्शाया जा सकता है। चित्र स्वयं तैयार किया गया हो और सार्वजनिक प्रदर्शन के अनुकूल होना चाहिए।पहले से प्रकाशित, नकल अथवा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार कलाकृतियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। रील मेकिंग प्रतियोगिता की थीम शरप रूप में अयोध्याश् है। इसमें प्रतिभागियों को 30 से 60 सेकंड की मौलिक रील बनानी होगी। वीडियो में अयोध या के विकास, उसकी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और दीपोत्सव–2026 के भव्य आयोजनों की झलक होनी चाहिए। रील आकर्षक, स्पष्ट और सार्वजनिक प्रदर्शन के योग्य होना अनिवार्य होगा।प्रतिभागियों को वीडियो में इस्तेमाल होने वाले दृश्यों सहित अन्य रचनात्मक सामग्री के लिए कॉपीराइट मुक्त संसाधनों का उपयोग करना होगा। दूसरे की सामग्री की नकल, बिना अनुमति कॉपीराइट सामग्री का इस्तेमाल और भ्रामक, आपत्तिजनक या विषय से हटकर प्रस्तुतियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। एआई से तैयार सामग्री का अत्यधिक इस्तेमाल करने वाली प्रविष्टियां भी मान्य नहीं होंगी।

‘मिशन रोजगार’ को रफ्तार : आईटीआई अलीगंज में 31 अक्टूबर को कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर उन्हें प्रतिष्ठित औद्योगिक घरानों में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए मिशन रोजगार अभियान निरंतर गति पकड़ रहा है। इसी क्रम में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज लखनऊ में 31 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से एक वृहद कैंपस प्लेसमेंट व रोजगार भर्ती अभियान का आयोजन किया जा रहा है।इस रोजगार मेले में देश की प्रतिष्ठित ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र की अग्रणी कंपनी डिक्सन टेक्नोलॉजीज तथा आईटी एवं डाटा सेवा प्रदाता कंपनी कॉर्पस डेटा इंफॉर्मेशन सर्विसेज द्वारा विभिन्न पदों पर सैकड़ों युवाओं का चयन किया जाएगा। प्लेसमेंट ड्राइव में 10वीं, 12वीं, आईटीआई उत्तीर्ण एवं स्नातक योग्यताधारी महिला व पुरुष अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं।कंपनीवार भर्ती एवं पदों के विस्तृत विवरण के अंतर्गत, डिक्सन टेक्नोलॉजीज, नोएडा में ऑपरेटर के कुल 100 पद हैं, जिसके लिए 10वीं, 12वीं, आईटीआई या स्नातक उत्तीर्ण 18 से 35 वर्ष के महिला एवं पुरुष अभ्यर्थी पात्र हैं, जिन्हें सेक्टर–151, नोएडा कार्यस्थल के लिए 24,257 से 26,484 तक मासिक वेतन दिया जाएगा। टाटा मोटर्स लिमिटेड, लखनऊ प्लांट द्वारा दो अलग–अलग संवर्गों में तकनीकी युवाओं का चयन किया जाएगा, जिसमें प्रथम अग्रेटिस ट्रेनी के तहत 10वीं एवं आईटीआई या एनटीसी में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ 18 से 25 वर्ष की आयु वाले युवाओं को 1 वर्ष के प्रशिक्षण हेतु 13,870 मासिक स्टाइपेंड मिलेगा, जबकि द्वितीय अस्थायी कर्मचारी के रूप में 10वीं उत्तीर्ण तथा आईटीआई या एनटीसी के साथ 1 वर्ष का कार्यानुभव रखने वाले 18 से 32 वर्ष के युवाओं को अधिकतम 6 माह की कार्य अवधि के लिए 15,488 मासिक वेतन दिया जाएगा, साथ ही दोनों संवर्गों के चयनित अभ्यर्थियों को निःशुल्क कैंटीन, बस या परिवहन सुविधा, यूनिफॉर्म तथा सुरक्षा जूते प्रदान किए जाएंगे और इलेक्ट्रीशियन, फिटर, मशीनिस्ट, टर्नर, वेल्डर, पेंटर, एमएमवी, डीजल मैकेनिक, कोपा या पासा, सीएनसी मशीनिंग, आरएसी, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, और मैकेनिक इलेक्ट्रिक क्लीकल आदि ट्रेड्स पात्र हैं।

पेरिस में यूपी के खाद्य उत्पादों की धूम,15 देशों के खरीदारों से संपर्क,खुले निवेश के रास्ते

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों को वैश्विक बाजार में पहचान दिलाने की दिशा में बड़ी पहल हुई है। फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय खाद्य प्रदर्शनी सियाल पेरिस 2026 में प्रदेश के उद्यमियों को विदेशी खरीदारों से जुड़ने और निवेश के नए अवसर तलाशने का मंच मिला है। बरेली की ग्रावर् फूड्स के आलू प्रसंस्कृत उत्पादों की यूरोपीय खरीदारों ने सराहना की है। कंपनी के अनुसार 15 नए देशों के संभावित खरीदारों से संपर्क स्थापित हुआ है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण विभाग के स्टॉल पर पहुंचकर प्रदेश में निर्मित खाद्य उत्पादों का अवलोकन किया तथा विभिन्न उत्पादों का स्वाद भी चखा। उन्होंने उत्तर प्रदेश के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में तैयार किए जा रहे उद्दे उत्पादों की गुणवत्ता, विविधता और संभावनाओं में रुचि दिखाई। भगवंत मान ने उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार सृजन, स्वरोजगार को बढ़ावा देने तथा आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं।भी मौर्य ने कहा कि डबल इंजन सरकार का लक्ष्य किसानों की उपज को बेहतर बाजार, उद्यमियों को कारोबार के अवसर और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना है।

भयहरणनाथ धाम तीर्थ क्षेत्र के पूरे वसावन में बुढ़िया माई धाम पर हुआ भंडारा

विधायक जीत लाल व महासचिव समाज शेखर ने दर्शन-पूजन कर प्राचीन वट वृक्ष व जल धारा के संरक्षण का दिया संदेश

प्रतापगढ़। मांधाता विकास खंड के ग्राम पंचायत रामचंद्र पुर के पूरे वसावन में स्थित अति प्राचीन बुढ़िया माई मंदिर पर ग्राम समाज द्वारा भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल ने प्रतिभाग कर रास्ता का निर्माण व धाम के विकास में सहयोग का वायदा किया। भयहरणनाथ धाम के महासचिव समाज शेखर ने मंदिर में दर्शन-पूजन कर प्राचीन वट वृक्ष व जल धारा के संरक्षण हेतु ग्राम समाज को प्रेरित किया। भयहरणनाथ धाम तीर्थ क्षेत्र में स्थित यह स्थल बकुलाही नदी की सहायक धारा वारुठी की

उपधारा पर स्थित है, जो काशीपुर डुबकी से प्राचीन काल



से प्रवाहित है। यहाँ बुढ़िया माई मंदिर, जिन्हें जलाहल देवी के रूप में भी जाना जाता है, स्थित है।

ग्रामीणों ने धाम तक आने

को संबोधित करते हुए कहा कि प्यह स्थल सराय नाहर राय और मध्य गंगा घाटी की प्राचीन संस्कृति का हिस्सा है, जो मातृ शक्ति के प्रारंभिक पूजन की अक्षुण्ण परम्परा के रूप में विद्यमान है। बैठक में तय हुआ कि शीघ्र ही इस स्थल के विकास हेतु सामूहिक पहल की जाएगी।

इस अवसर पर प्रमुख व्यवस्थापक अजीत सिंह पंकज, बालें दु सिंह, आर टी आ ई, कार्यकर्ता राजीव नयन मिश्र, छोटे शुक्ला, राकेश सिंह, मनोज दुबे, सतवंत सिंह व विधायक प्रतिनिधि रबिन पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्राम व क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

पामिस्टा- 2026 में कलात्मक प्रतियोगिताएं सपन्न, प्रतिभावान छात्रों ने जीते सैंकड़ों पुरस्कार

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा एवं डॉ. ज़ाहेदा खानम रहे कला प्रतियोगिताओं के निर्णायक

प्रयागराज। द पाम एकेडेमी ने इंटर स्कूल प्रतियोगिता के मेगा इवेंट “पामिस्टा–2026” का आयोजन 24 अक्टूबर 2026 को स्कूल के मुख्य परिसर, करेलाबाग, प्रयागराज में किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वैंलेंटाइन मैसी प्रिंसिपल, टी.एम.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल, प्रयागराज थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में हसन नकवी अध्यक्ष—इलाहाबाद पर्यटन विकास समिति एवं सदस्य-पूर्वांचल पर्यटन बोर्ड, यू.पी.पर्यटन तथा द पाम एकेडेमी के संस्थापक डॉ. वालीउल्लाह सिद्दीकी निदेशक एवं गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ उपस्थित रहे।

प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन करने और विजेताओं का चयन करने के लिए कला निर्णायक (जज) के रूप में विख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा माननीय सदस्य, राज्य ललित कला अकादमी, संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश एवं डॉ जाहेदा खानम की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने विद्यार्थियों की कला को परखा



और प्रतिभा को सराहा। अतिथियों एवं जजों ने विजेता प्रतिभावान विद्यार्थियों को मेडल, ट्रॉफी व प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया। इस मेगा इवेंट में मेजबान स्कूल के साथ—साथ शहर के कई प्रतिष्ठित विद्यालयों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिनमें मुख्य रूप से बाँयज हाई स्कूल एंड कॉलेज, महर्षि विद्या मंदिर, ए.एस.कॉन्वेंट स्कूल, वाईएमसीए सेंटेंनरी

स्कूल एंड कॉलेज, मदर मैरी कॉन्वेंट स्कूल, पयूजेन इंटरनेशनल स्कूल और हामिदिया गर्ल्स इंटर कॉलेज शामिल रहे। यह आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा, नवाचार और टीमवर्क को प्रदर्शित करने का एक शानदार मंच साबित हुआ। अंत में पामिस्टा–2026 का औपचारिक समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

कार्यक्रम के सबसे स्मरणीय क्षण वे रहे जब मुख्य अतिथि,

विशिष्ट अतिथियों, जज एवं संस्थापक ने अपने प्रेरणादायक वचनों से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

द पाम एकेडेमी के निदेशक आलमुल्लाह सिद्दीकी, सालेहा मदनी, प्रधानाचार्या फौजिया साहिल एवं उप–प्रधानाचार्य मोहम्मद सगीर ने कार्यक्रम को अविस्मरणीय बनाने के लिए सभी आदरणीय अतिथियों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की।

महात्मा फुले फाउंडेशन ने मनाई भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती

लखनऊ (संवाददाता)। जिसकी जितनी संख्या उसकी उतनी हिस्सेदारी हर क्षेत्र में होनी चाहिए समाज में एक समान शिक्षा व्यवस्था होनी चाहिए। यह बातें जन अधिकार पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकन्या कुशवाहा ने शनिवार को महात्मा फुले फाउंडेशन के तत्वावधान में डॉ. भीमराव अम्बेडकर ऑडिटोरियम ला कालेज में आयोजित भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने कलाम जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जिन्हें हम सब शमिसाइल मैन इण्डिया के नाम से जानते है, भारत के महान वैज्ञानिक, शिक्षाविद् एवं 11वें राष्ट्रपति थे। उन्हें 1997 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। जिन्होने अग्नि और पृथ्वी जैसी स्वदेशी मिसाइलों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा प्ेक्ट और क्क्के के साथ मिलकर देश को रक्षा एवं अंतरिक्ष क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का मार्ग प्रसस्त किया। उनका जीवन

सादगी ज्ञान और युवाओं को प्रेरणा देने का प्रतीक रहा। वे हमेशा कहा करते थे सपने वो नहीं जो हम नींद में देखें, सपने वो है जो हमें सोने न दें। उन्होंने कहा इतजार करने वाले को सिर्फ उतना ही मिलता है जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। इस अवसर पर सांसद जैनपुर बाबू सिंह कुशावाहा



अब्दुल कलाम जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा डॉ. कलाम जी का जीवन संघर्ष, सादगी, मेहनत, शिक्षा और राष्ट्रसेवा की मिसाल है। उन्होंने देश के वैज्ञानिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया और अपने विचारों से देश के करोड़ों युवाओं को सपने देखने तथा उन सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत करने की प्रेरणा दी। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी का मानना

था कि देश का भविष्य उसके बच्चों और युवाओं के हाथों में है। यदि देश को मजबूत और विकसित बनाना है तो प्रत्येक बच्चे को बेहतर शिक्षा, समान अवसर और आगे बढ़ने का अ ि क ा र मिलना चाहिए। हमें डॉ. कलाम जी के विचारों को अपने जीवन में उतारते हुए शिक्षा, वैज्ञानिक सा मा ि ज क

न्याय और समान अवसर के लिए निरंतर कार्य करना चाहिए। सांसद ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी की जयंती पर सभी से संकल्प लेने का आग्रह किया कि हम शशिक्षा को मजबूत करने, युवाओं को आगे बढ़ाने, वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने तथा समाज में समानता, भाईचारा और न्याय स्थापित करने के लिए निरंतर संघर्ष करेंगे। डॉ. कलाम ने शिक्षा को समाज की सबसे बड़ी शक्ति बताया और युवाओं

को विज्ञान, नवाचार एवं राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित किया। उनके विचारों में शिक्षा, समानता और समावेशी विकास का स्पष्ट संदेश था बाबू सिंह कुशवाहा का मानना है— सविधान को बचाना हम सभी का कर्तब्य है यही हमारे अधिकारों की सुरक्षा का आधार है। सबको समान शिक्षा उपलब्ध कराना ही सच्चा सामाजिक न्याय है। समाज में समता, सम्मान और अधिकार सबके के लिए सुनिश्चित होना चाहिये। गरीब, वंचित और महिलाओं को आगे बढ़ाना ही राष्ट्र निर्माण की पहली सीढ़ी है। हम सब मिलकर डॉ. कलाम जी के वैज्ञानिक दृष्टिकोण, शिक्षा के प्रति समर्पण सामाजिक सदभाव और विकसित भारत के सपने को आगे बढ़ाने का संकल्प लें। नयी पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा लेने तथा ज्ञान मेहनत मानदारी और मानवता के मार्ग पर चलने के लिए प्रोत्साहित करें। धर्म को राजनीति से अलग रखना होगा तभी लोकतंत्र जीवित रहेगा। सवि्दान इंसानियत और मानवता का पाठ पढ़ाता है।

निर्मल सुमित विचार

(छप्पय)

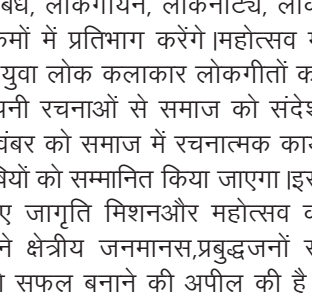
निर्मल सुमित विचार अहं से दूरी रख के। करं लोकहित कार्य लोभ को मन से तज के। पढ़कर इसको वक्त बने जब उत्सव–काया। मधुर हुए संबंध गीत अपनों ने गाया। दूर न खींचो हाथ को, रहो हमेशा साथ में। सुन ली जिसने बात यह, रहते हैं आनन्द में।।

हर नाता के बीच प्रेम की भाषा पढ़ के। आते हैं त्योहार अंक में खुशियाँ भर के। कहते हैं यह बात करो इज्जत तुम उनकी। भूखे रहकर भूख हरा था जिसने सबकी। सच्चा मानव है वही हठ छोड़ो पहचान लो। बातें उनकी है खरी लेकिन उसको मान लो।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी लूकरगंज, प्रयागराज

28 वां सात दिवसीय जमुनापार महोत्सव 28 अक्टूबर से: रामकथा के साथ–साथ विविध कार्यक्रमों का आयोजन

करछना। अपनी माटी,परिपाटी, संस्कृति, संस्कार, आध्यात्म, लोककला, साहित्य, संगीत, प्रतिभा विकास और सामाजिक समरसता की सर्जना को समाहित किए 28 वां सात दिवसीय जमुनापार महोत्सव इस वर्ष 28 अक्टूबर से रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज में आयोजित किया गया है। महोत्सव में प्रति दिवस सायं 4.00 बजे से 7.30 बजे तक पूज्य स्वामी विनोदानन्द सरस्वती जी महाराज और पंकज जी महाराज द्वारा राम कथा होगी। इसके पूर्व जमुनापार के कई विद्यालयों से आए छात्र प्रतिभागी



विभिन्न दिवसों पर भाषण, निबंध, लोकगायन, लोकनाट्य, लोक नृत्य सहित अन्य कई कार्यक्रमों में प्रतिभाग करेंगे।महोत्सव में जहां एक ओर जमुनापार के युवा लोक कलाकार लोकगीतों का रंग बिखेरेंगे,वहीं कवि भी अपनी रचनाओं से समाज को संदेश देंगे। समापन दिवस पर 3 नवंबर को समाज में रचनात्मक कार्य करने वाले विविध क्षेत्र के मनीषियों को सम्मानित किया जाएगा।इस आशय की जानकारी देते हुए जागृति मिशनऔर महोत्सव के संयोजक डॉ.भगवत पांडेय ने क्षेत्रीय जनमानस,प्रबुद्धजनों से उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

सांसद अफजाल अंसारी की तबीयत बिगड़ी, आईसीयू में भर्ती

लखनऊ (संवाददाता)। गाजीपुर से सपा सांसद अफजाल अंसारी की तबीयत बिगड़ गई। शुक्रवार शाम उन्हें उल्टियां होने लगीं। हालत बिगड़ने पर परिजन नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से डॉक्टरों ने लखनऊ रेफर कर दिया। इसके बाद उन्हें गाजीपुर से एंबुलेंस से लाकर लखनऊ मेदांता में गैस्ट्रो विभाग में भर्ती कराया गया है। हॉस्पिटल ने शनिवार को हेल्थ बुलेटिन जारी कर बताया अफजाल अंसारी को पेट में तेज दर्द के बाद यहां लाया गया। जांच में पता चला कि उनके पैंक्रियास (अग्न्याशय) में सूजन है। उन्हें हल्का पीलिया भी है। फिलहाल उन्हें आईसीयू में रखा गया है। डॉ. अभय वर्मा और डॉ. दिलीप दुबे की टीम उनकी देखभाल में लगी हैं। इससे पहले परिजनों ने बताया कि अफजाल लंबे समय से लिवर की बीमारी से जूझ रहे हैं। शुक्रवार सुह्रद गले में खराश, सर्दी की समस्या थी। इस बीच, घी और गुड़ का घरेलू नुस्खा अपना लिया। अचानक उल्टियां होने लगीं। तेज बुखार आ गया। पेट के ऊपरी हिस्से और सीने के नीचे तेज दर्द होने लगा। अफजाल की तबीयत बिगड़ने की जानकारी सबसे पहले मुख्तार अंसारी के बेटे और वि्धायक अब्बास अंसारी ने दी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा–बड़े अब्बा की सेहत खराब हो गई है। लखनऊ में इलाज चल रहा है। आप सभी से दुआओं की गुजारिश है।6 गाजीपुर से सपा वि्धायक और सांसद के भतीजे सुहेब अंसारी उन्हें लेकर लखनऊ पहुंचे। गाजीपुर के मुहम्मदाबाद के रहने वाले अफजाल अंसारी 3 बार के सांसद हैं। 5 बार विधायक रह चुके हैं।

पुलिस ने वारंटी को घर से गिरफ्तार किया

लखनऊ (संवाददाता)। रहीमाबाद पुलिस ने न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ महिलाबाद थाने में आर्मुस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज था। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश करने के लिए भेज दिया। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की ओर से वांछित, वारंटी और सक्रिय अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक, रहीमाबाद थाना क्षेत्र की टीम ने शनिवार को न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर घर पर दबिश देकर रामचन्द्र रामनगर, मजरा ससपन रहीमाबाद को गिरफ्तार किया। जिसके विरुद्ध आर्मुस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी की सूचना आरोपी की पत्नी को दी गई। इसके बाद आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया की गई।

उत्तर मध्य रेलवे						
ई-प्रायण निविदा सूचना सं. 26/59			निविदा सं. 23.10.2026			
ई-प्रायण निविदा सूचना						
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मन्त्री अन्वेषक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रखण्ड-3 (अहो,धरा,ओ. 9991-2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मयों के लिए ई-प्रायण निविदाएं आमंत्रित करते हैं।						
क्र. सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा चुकने की तिथि		
1	70261207	ग्रा, वेट एवं बर्निक, फ्लैट सड़क 4 रुम (100 मिमी)	6872 नम	19.11.2026		
2	38263128	पी ओ एच फ्लैट बॉर 11' बोरी पाउंड्रेड ग्रेड सिस्टर	1968 सेट	12.11.2026		
3	38263177	कैरे जॉब ड्रॉवर कालर के	14230 नम	16.11.2026		
4	38263231	काल्ट स्टील कोल्डर	61 नम	08.12.2026		
5	382633151	बोरी लाल्ड अर्रैमेट कम्प्रीट	35 सेट	10.12.2026		
6	38261589	ग्रेड बीन बॉर काल्ट स्टील बोरी	677 नम	15.12.2026		
7	38261602	37 एम एम बॉर कालर हब्ड ड्रॉजस्टमैट	4599 नम	17.12.2026		
8	38263230	प्लैंग डोर अर्रैजेंट	2955 नम	22.12.2026		
9	38261496	लवस्त कैप सू	338813 नम	25.11.2026		
10	30262135	वाइड विड कौन्सिंग फ्लैट कौर एक्चल बॉक्स	2349	24.12.2026		
11	20263510A	वाइड अर्रैजेंट	ना	09.11.2026		
AC सिकिट्रैक्टर 50A			670 नम	09.11.2026		
नोट: उन्कोक सभी ई-प्रायण निविदाओं का पूरा विवरण।RFPs वेबसाइट https://www.rfps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी कलाम/गुडि-सूच के लिए कृपया हत वेबसाइट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से बुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाता।						
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in © 2026			2421261K			

सम्पादकीय.....

पोषण के भ्रामक दावे

कंपनियों की आक्रामक मार्केटिंग व विज्ञापनों के खेल से भारत में बच्चों के विकास के लिए जरूरी पोषक पदार्थों को बेचने का उपक्रम देश में दशकों से चला आ रहा है। इस प्रचार के खेल में फिल्मी व ग्लैमर की दुनिया की हस्तियां मोटी रकम लेकर शामिल हो जाती हैं। विडंबना यह है कि देश का आम उपभोक्ता देशी–विदेशी खाद्य पदार्थ बेचने वाली कंपनियों के उन दावों पर भरोसा कर लेता है, जिनमें बच्चों के तेज विकास, मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता तथा दिमाग तेज करने के वादे किए जाते रहे हैं। लेकिन वास्तव में माता–पिता को इन दावों के वैज्ञानिक प्रमाण मिलने चाहिए, न कि लुभावने विज्ञापन। शिशुओं के विकास के लिए बनाए गए फार्मूले और कॉम्प्लान से संबंधित दावों को लेकर नरेल इंडिया और जाइडस वेलेनेस को भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएएसएसएआई द्वारा नोटिस जारी किए गए, जिसने पोषण संबंधी दावों की विश्वसनीयता और सख्त नियामक निगरानी की आवश्यकता पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। नियामक ने कॉम्प्लान के शिशुओं के तीव्र गति से विकास और एकाग्रता, स्मृति तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता से संबंधित लाभ जैसे दावों पर सवाल उठाए हैं। नियामक ने नेस्ले को उसके शिशु आहार के फार्मूले में खास प्रोटीन की पाचन क्षमता और मां के दूध के समान रोग प्रतिरोधक क्षमता में सहायक लाभों को प्रमाणित करने के लिए कहा है। निस्संदेह, उत्पाद खरीदते समय ऐसे दावे माता–पिता के निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं। विशेष रूप से जब बच्चे के विकास को लेकर चिंताएं परिवार को बेहतर पोषण के वादों के प्रति संवेदनशील बनाती हैं। इस मामले में एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर द्वारा ऑनलाइन प्रचार की भी जांच की गई, जिसमें शिशु आहार फार्मूला उत्पादों की गुणवत्ता की रैंकिंग की गई थी। इसमें दावा किया गया था कि इसके उपयोग से बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता, मस्तिष्क के विकास और पाचन में लाभ मिलता है। आमतौर पर ऐसे प्रचारक मोटी फीस लेकर उपभोक्ताओं को ठेस पहुंचाने का ही काम करते हैं। निस्संदेह, इस प्रकरण के बाद डिजिटल विज्ञापनों के नियमन की बढ़ती चुनौती भी सामने आती है। दरअसल, ऐसे भ्रामक व्यावसायिक प्रचार से कभी–कभी वास्तविक लाभ देने वाली सलाह होने का भ्रम भी पैदा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि ‘शिशु दुग्ध विकल्प अधिनियम’ के तहत लगाई गई पाबंदियां विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इसका मकसद शिशुओं को मां का दूध देने की स्वास्थ्यकारी प्रथा को अनुचित व्यावसायिक प्रभावों से होने वाले नुकसान से बचाना है। वैसे देखें तो भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा दिए गए ये नोटिस मुनाफे के लिए किए जा रहे किसी गलत कार्य के अंतिम निष्कर्ष नहीं कहे जा सकते हैं। निश्चित रूप से इस प्रकरण में कंपनियों को भी अपना पक्ष रखने का अवसर मिलना ही चाहिए। वहीं दूसरी ओर, उनके बढ़–चढ़कर किए जाने वाले दावों की जांच विश्वसनीय सबूतों और नियमों के आधार पर ही की जानी चाहिए। हालांकि, देश के नियामकों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि बिना ताकिक आधार वाले या गुमराह करने वाले दावों को उत्पाद बनाने वाली कंपनियों द्वारा तुरंत सुधारा जाए। वहीं दूसरी ओर, नियमों का उल्लंघन करने वाले उत्पादकों पर उचित कार्रवाई की जाए। वैसे तो हमारे देश में आमतौर पर खाद्य उत्पादों के लेबल और विज्ञापन ही अक्सर उपभोक्ताओं के लिए जानकारी के मुख्य स्रोत होते हैं। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों व अशिक्षित लोगों में यह समस्या ज्यादा होती है। इसलिए भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण को अपनी जांच–पड़ताल सख्ती से करनी चाहिए। निश्चित रूप से प्रवर्तन एजेंसियों के नतीजे सामने आने पर सार्वजनिक किए जाने चाहिए। साथ ही, भविष्य में यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि निर्माता किसी उत्पाद को बाजार में उतारने से पहले अपने दावों को सच्चाई की कसौटी पर सही साबित करे। निश्चित रूप से पोषण संबंधी मार्केटिंग का मकसद सही जानकारी देना होना चाहिए, न कि लोगों को गुमराह करना।

खुशबू आ नहीं सकती कभी कागज के फूलों से

अरविन्द मोहन

दस अक्टूबर को कोंकरोच जनता पार्टी की रैली थी और केंद्र सरकार ने उसे रोकने के लिए उसके खिलाफ पचास हजार पुलिस तैनात करने, पचास से ज्यादा मेट्रो स्टेशन बंद करने, अनेक गाड़ियों को बंद करने और नेट पर भी सीमित रोक का प्रयास किया तो सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी थी कि आप मक्खी मारने के लिए हथौड़ा चला रहे है। इस रैली के बीतने और उससे दो दिन पहले से विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा इंडिया गठबंधन की ज्ञानेश कुमार विरोधी मुहिम के जोर पकड़ने के बाद अब सरकार और भाजपा की तरफ से जो काम किया जा रहा है उसे हथौड़ा उठाने की मक्खी की कोशिश मान सकते हैं। तेरह करोड़ से ज्यादा मतदाताओं का नाम काटने के बाद चुनाव आयोग के अंदर के मतभेद, ज्ञानेश कुमार को मिली देश की सबसे बड़ी इम्युनिटी और नियुक्ति की प्रक्रिया में बदलाव का फैसला जहां सरकार को ज्यादा सवालों से घेर रहा है वहीं वह कभी देश में अराजकता फैलाने तो कभी विदेशी षड्यंत्र, कभी एक कांग्रेसी सांसद पर लगे सेक्सुअल हैरासमेंट के विवादास्पद आरोप तो कभी किसी आंदोलनकारी के मुंह से निकले श्रीजीम चेंजर जैसे पद को लेकर विपक्ष की घेराबंदी करना चाहती है और कोई बात जोर नहीं पा रही है। भाजपा और उसके रणनीतिकारों ने हवा का रुख तो भांपा है, वे कुछ डरे भी लगते हैं और वे अपनी क्षमता भर प्रयास भी करने लगे हैं लेकिन उन्होंने न तो ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग द्वारा की गई गलतियों को सुधारने (मतदाता सूची में सुधार का दिखावा करने वाले कुछ हल्के फैसले हुए हैं) की कोशिश की है और न ही अपने खिलाफ लगातार ताकतवर

एजेन्सी

सोशल मीडिया पर एक गीत की इस समय खूब चर्चा हो रही है, जिसे अदिति एवं साधियों की पेशकश कहा जा कहा है, गीत का मुखड़ा है– कैसा घबराया साहिब, बात–बात पर डरता है। डगमग–डगमग होवे कुर्सी, धर्म को आगे करता है। पूरे गीत में किसी का नाम नहीं है, लेकिन जनता समझदार है और जानती है कि किसके बारे में बातें हो रही हैं। वैसे इस गीत को सार्थक करती घटनाएं लगातार घट ही रही हैं। अभी ताजा प्रसंग युवा छायाकार रेहान वाझा का है। रेहान वाझा की खींची तस्वीरों की प्रदर्शनी कई बार लग चुकी है। दिल्ली के बीकानेर हाउस में ही पार्करी बार उन्होंने जुलाई २०२१ में अपनी तस्वीरों की पहली प्रदर्शनी लगाई थी। अब एक बार फिर उसी बीकानेर हाउस में रेहान वाझा की एक और प्रदर्शनी बुधवार को लगी, लेकिन अब यह विवादों में आ गई है। क्योंकि अधिकारियों ने प्रदर्शनी से चंद घंटे पहले कम से कम ७० तस्वीरों को हटवा दिया। कला पर सेंसरशिप का ये नया

मामला है। वैसे रेहान वाझा का एक परिचय यह भी है कि वे कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के बेटे हैं। वे कई मौकों पर अपनी मां के साथ दिखाई देते हैं, लेकिन मंच पर उपस्थिति दर्ज नहीं कराते। उनके मामा राहुल गांधी ने दो साल पहले २०२४ में दीपावली पर उनके साथ एक वीडियो शेयर कर जनता को दीपावली की बधाई दी थी। इसमें रेहान अपने मामा के साथ दीवारों पर रंग–रोगन करने वाले कामगारों के साथ नजर आए थे। रेहान वाझा जब भी ऐसे किसी वीडियो में या सार्वजनिक स्थानों पर नजर आते हैं, तो उनके राजनीति में आने की चर्चाएं तेज हो जाती हैं। हालांकि वे बतौर छायाकार अपनी राह पर आगे बढ़ रहे हैं और अपनी तस्वीरों से बता रहे हैं कि उनकी पॉलिटिक्स क्या है। बहरहाल, अब रेहान वाझा पर सेंसरशिप का हमला कर भाजपा ने खुद ही उनके लिए राजनैतिक मंच पर जगह बना दी है। गुरुवार को मीडिया में इस बात की काफी चर्चा रही कि रेहान वाझा की खींची तस्वीरों से भाजपा डर गई

है। इस बारे में खुद रेहान ने बताया कि श्नो आइडिया इज फाइनलच इस शीर्षक के अंतर्गत बुधवार शाम सात बजे बीकानेर हाउस में उनकी तस्वीरों की प्रदर्शनी शुरु होने वाली थी, लेकिन इसके दो घंटे पहले वहां के प्रबंधन ने उन्हें कहा कि कुछ तस्वीरें उनकी पॉलिसी के खिलाफ हैं। और उन तस्वीरों को हटाने का आदेश दिया। रेहान के मुताबिक ये तस्वीरें दिल्ली में पिछले एक साल के दौरान हुए युवा आंदोलनों के दौरान खींची गई थी। उन्होंने कहा कि श्मैंने एक हफ्ते पहले ही सारी तस्वीरों का लेआउट शेयर कर दिया था, लेकिन तब कोई आपत्ति नहीं जताई गई, लेकिन अब कहा गया कि इन तस्वीरों में राजनैतिक संदेश है। इसके बाद रेहान ने राजनीतिक दलों और नेताओं से जुड़ी कई तस्वीरें हटा दी। लेकिन प्रबंधन ने दबाव डाला कि इन ७० तस्वीरों में से कोई भी नहीं लगाई जाएगी। इसके बाद बीकानेर हाउस प्रबंधन ने उन्हें ३.३० बजे एक नोटिस भेजा जिसमें लिखा था, श्अगर आप शाम ५ बजे तक इन्हें नहीं हटाते

हैं, तो बिल्डिंग को सील कर दिया जाएगा और प्रदर्शनी रद्द कर दी जाएगी। रेहान ने कहा कि मैंने तिरंगे की दो तस्वीरें लगाई थीं, और उन्होंने कहा, इसे हटा दो। मैंने कहा, यह आपकी पॉलिसी के खिलाफ कैसे हो सकता है? तो तिरंगे का सवाल अब मोदी सरकार पर भारी पड़ता जा रहा है। पिछले हफ्ते ही कर्नॉट प्लेस में लहरा दो तिरंगा अभियान को पुलिस ने किस तरह रोका यह पूरे देश ने देखा है। इससे पहले जंतर–मंतर पर तिरंगा लेकर जाने के लिए सौरव दास और आशुतोष रांका को हिरासत में लिया गया था और आठ दिन बाद उन्हें बुधवार को सशर्त रिहा किया गया। हालांकि दोनों ने फिर से तिरंगा लेकर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर दी है। यानी किसी न किसी तरह, किसी न किसी मंच से मोदी सरकार और वोट चोरी के खिलाफ आवाज उठ ही रही है। सरकार का डर इसी वजह से बढ़ रहा है। रेहान वाझा की प्रदर्शनी में तस्वीरों को हटाना इसी डर का सबूत है। चूंकि बीकानेर हाउस राजस्थान सरकार

के अंतर्गत आता है और राजस्थान में भाजपा की सरकार है। इसलिए इस सेंसरशिप के पीछे भाजपा का हाथ है, यह साबित हो रहा है। लेकिन इस घबराहट में भाजपा सरकार यह भूल रही है कि रेहान वाझा की तस्वीरों पर पाबंदी लगाने लोग जंतर–मंतर पर बनी सरकार विरोधी छवियों को भूलेंगे नहीं। एक हॉल के भीतर लगी चंद तस्वीरें तो यूं भी व्यापक जनता की नजरों से दूर ही थीं। दिल्ली के बीकानेर हाउस में इन तस्वीरों को देखने कुछ सौ लोग ही जाते, लेकिन जंतर–मंतर या दिल्ली या देश के दूसरे शहरों में जो हजारों–लाखों लोग लगातार सरकार के खिलाफ उतर चुके हैं, उनकी तस्वीरें तो देश–दुनिया में पहुंची हुई हैं। चाहे बिहार का छात्र आंदोलन हो, या मुंबई के आजाद मैदान की रैली या जंतर–मंतर पर जेन जी आंदोलन विदेशी– देशी मीडिया में इसे पर्याप्त कवरेज मिली है। सोशल मीडिया पर लगातार इसकी चर्चाएं हुई हैं। इन तस्वीरों पर मीम्स बने, रील्स बनीं, जिन्हें कई बार शेयर या रिपोस्ट किया गया। यानी करोड़ों

लोगों के मोबाइल में आंदोलनों की तस्वीरें कैद हैं, यह तय है। अब भाजपा को सोचना होगा कि वह कहां तक इन तस्वीरों को मिटा सकेगी। मान लें कि वह करोड़ों मोबाइलों पहुंच चुकी तस्वीरों और वीडियो को भी मिटाने में सक्षम है, तब भी क्या लोगों के जेहन में कैद तस्वीरों को वह मिटा सकेगी। असल में आंदोलन से डरी सरकार रेहान वाझा की छायाचित्र प्रदर्शनी पर रोक लगाने की कोशिश कर एक और मूर्खतापूर्ण कदम उठा लिया है। इससे पहले कभी किसी कैरिकेचर पर सरकार को आपत्ति हुई, कभी किसी स्टैंडअप कॉमेडियन के खिलाफ कार्रवाई हुई, लेकिन इसके बावजूद सरकार विरोधी आवाजें उठना बंद नहीं हो रही हैं, बल्कि अब डर कायम करने के माहौल की धज्जियां जेन जी उड़ा रही है। भाजपा ध्यान दे कि सौरव दास और आशुतोष रांका पर तो जेन जी न होने का तंज किया गया, लेकिन रेहान वाझा पर तो यह तंज भी काम नहीं आएगा। क्योंकि वे जेन जी के ही नुमाइंده हैं।

शरद पूर्णिमा पर १२ दोहे

- शरद चाँदनी रात में, खिले प्रेम के फूल। दो दिल मिलकर गा उठे, भूले जग के शूल।।
- पूरनमासी चाँदनी, अमृत बरसती आज। चंद सुधा पुलकित धरा, महकें हर इक साज।।
- रात पूर्णिमा की मिलें , राधा हिय घनश्याम। मधुर मुरलिया गूँजती, प्यारा गोकुल धाम।।
- यमुना तट पर चाँदनी, लहरें करें विहार। वंशी की धुन सुन खिलें, मन के सब उद्गारा।।
- नयनों में सपने सजे, अधरों पर मुस्कान। शरद चाँदनी रात में, प्रेम बने पहचान।।
- शरद पूर्णिमा की निशा, अमृत बरसे आज। खिली चाँदनी उर बसे, प्रेम–रंग का साज।।
- धवल चाँदनी रात में, चंदा हृदय सुहाय। प्रेम–सुधा बरसा रही, मन में नेह जगाय।।
- राह निहारे प्रियतमा, सजनी सजकर द्वार। चाँद उतरने की लगी, मन में आस अपार।।
- वृंदावन में रास है, झूम रहे नर–नार। राधा–माधव प्रेम में, मगन हुआ संसार।।
- मंद–मंद बहने लगी, शीतल सुखद बयार। प्रेम प्रीति है चाँदनी , महकी मधुर फुहार।।
- मन के तम को दूर कर, प्रेम जलाए दीप। शरद चाँदनी बाँटती, सुखद उजास समीप।।
- चंदा जैसा प्रेम हो, निर्मल शीतल भाव। जीवन भर खिलता रहे, मन में प्रेम–लगाव।।

उमा मिश्रा ‘प्रीति’

दिखते राजनैतिक जमावड़े में दरार लाने या उसको कमजोर करने की किसी रणनीति पर काम किया है। ले–देकर रोज जो नई चाल दिखती है और शाम को टीवी चैनलों की चर्चा और खबरों में दिखती है। इससे मतदाता सूची में हुआ इतना भारी बदलाव और नागरिकता, मतदान के अधिकार ही नहीं नौकरी और सरकारी सुविधाओं से वंचित किये जाने जैसे अभियान से पैदा नाराजगी को थामना मुश्किल लग रहा है। यह बात पहले ज्ञात थी कि चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव हुआ है लेकिन उनको इतने विशेषाधिकार दे दिए गए हैं कि सुप्रीम कोर्ट के जज और राष्ट्रपति तक के अधिकार पीछे रह गए हैं। इंडियन एक्सप्रेस की खबर के बाद से मजबूत होती ज्ञानेश कुमार विरोधी हवा में यह भी सामने आ रहा है कि जिनका नाम कटा है उनको नौकरी पाने और राशन वगैरह जैसी सुविधाओं से भी वंचित किया जा रहा है। और गलती सुधार के नाम पर जो प्रयास हुआ है उसमें तरीका अभी भी मुश्किल है। अब यह जानकारी भी सामने आई है कि बंगाल की सूची में रिवीजन के समय इंद्री करने या कारेक्शन के लिए बीएलओ जैसे लोग तकनीकी रूप से सक्षम ही नहीं थे। इसके साथ ही यह भी हुआ है कि लगभग बिखर चुका इंडिया गठबंधन फिर से जीवंत बन गया है और ममता बनर्जी उस मोर्चे पर दिखने लगी हैं। यह भी खबर है कि जगनमोहन रेड्डी अपने दल के साथ वहां वापसी चाहते हैं जबकि उन्होंने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के सवाल पर भाजपा का साथ देने की गलती सार्वजनिक रूप से स्वीकार ली है। उधर बीजू जनता दल भी इस सवाल पर इंडिया गठबंधन के साथ आने में नहीं हिचका जबकि द्रमुक लाख कोशिश के बावजूद एनडीए के साथ नहीं गया है।

दूसरी ओर चिराग पासवान ने नौजवानों के आंदोलन के साथ हुए व्यवहार पर नाराजगी दिखाई है और एनडीए के कई घटक दम साधे तमाशा देख रहे हैं। कई राज्यों के स्थानीय निकाय चुनाव में भी हवा बदलने के संकेत दिखने लगे हैं जबकि भाजपा के कई लोग साथ और उन दलों का रुख करते दिखा रहे हैं जिनके अगले चुनाव में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद दिखती है। ऐसा खास तौर से उत्तर प्रदेश में दिखता है जहां सरकार में शामिल ओम प्रकाश राजभर का व्यवहार बदला है। आंदोलन पर विदेशी षड्यंत्र और अराजकता का आरोप लगाने का अभी तक कोई ठोस आधार या प्रमाण पेश नहीं किया गया है। और आज के ग्लोबल जहां में किसकी दिलचस्पी कहां नहीं है, खासकर भारतीय मूल के लोगों की दिलचस्पी को आप देखल बताएं या षड्यंत्र करार दें तो इससे इतना भारी आरोप नहीं कटता। भारतीय मूल के विदेशी नागरिको का समर्थन हाल तक मोदीजी के प्रति ही दिखता था। सो कायदे से यह मंथन होना चाहिए कि यह पढ़ा–लिखा और जानकार समूह क्यों दूर हुआ है। जेन जी की नाराजगी कम होने के प्रमाण नहीं हैं और उन्हें पटाने का मोदीजी का संघ प्रमुख का शुरुआती प्रयास इस बार जाने कहां गया पता नहीं है। इस पूरे दौर में भाजपाई नेता और मीडिया से यह शब्द गायब ही रहा है। विपक्ष पर तो आप षड्यंत्रकारी और अराजक होने का आरोप लगा सकते हैं।

लेकिन युवाओं की तरफ से तो अभी प्रधान और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के अलावा कोई मांग नहीं आई है और दोनों के पीछे ठोस वजह है। जो युवा कल तक कांग्रेसी प्लेटफार्म से अलग थे और खुलकर राहुल के साथ दिखते थे और उस तरफ से उनको गले लगाया जा रहा है। अकीमोल विमल पर आरोप

और एक्शन भी विवादास्पद है लेकिन उसमें भी इतना दम नहीं है कि इतने बड़े मुद्दे को काट डाले। अब सरकार और भाजपा क्या करे या कांग्रेस क्या करे इस सवाल पर विचार तो उन दलों के लोगों को करना है लेकिन साफ दिख रहा है कि जहां कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में नई जान आई है और वह तथा उन्का आंदोलन वाला मुद्दा एनडीए खेमे के करीब पहुंचे अनेक दलों के मन में संशय उत्पन्न करने में कामयाब हुआ है वहीं भाजपा विपक्ष के बिखराव को बढ़ाने और वहां के राहुल और कांग्रेस–विरोधी जमात को अपने पक्ष में करने में विफल हुआ है। ममता तो अब इंडिया गठबंधन का हिस्सा बनकर बोल रही हैं लेकिन अरविन्द केजरीवाल और आप ज्यादा राहुल विरोध नहीं चला पा रहे हैं। उनके लोगों ने नए जिस कोंकरोच जनता पार्टी का सबसे मजबूती से साथ दिया उसके नेता राहुल के पास जाकर प्रसन्न हो रहे हैं। सारे वामपंथी युवा भी कांग्रेस के साथ जाने में किसी तरह की हिचक नहीं दिखा रहे हैं। साफ लग रहा है कि जब तक भाजपा मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के सवाल पर ज्ञानेश कुमार के फैसलों से दूरी नहीं बनाती और विपक्षी जमावड़े में किसी तरह की संघ नहीं लगाती तब तक बनावटी मसले टीवी चर्चा में भले आ जाएं लोगों के मन पर नहीं चढ़ेंगे। आखिर कौन सा आंदोलन सरकार बदलने की बात नहीं करता कि आप श्रीजीम चेंजर को बिना कोई प्रमाण दिए षड्यंत्र साबित करने में लगे हैं। और जिन्हें तख्तापलट करना होगा वे इस तरह घोषणा नहीं करते। लगता यही है कि इन लोगों ने यह यह गाना तो सुना नहीं होगा कि खुशबू आ नहीं सकती कभी कागज के फूलों से।

खुद को खूबसूरत नहीं मानती थीं हरलीन सेठी

रिलेटेबल चेहरा, दमदार अदाकारी और लगातार मेहनत के दम पर हरलीन सेठी ने अपने हर किरदार से अलग पहचान बनाई है। ‘ब्रोकन बट ब्यूटीफुल’, ‘कोहरा’, ‘बैड कॉप’ और ‘डॉक्टर’ जैसे प्रोजेक्ट्स के बाद अब वह ‘शक’ में नजर आ रही हैं। अपने किरदारों से हरलीन ने साबित किया है कि वह खुद को सिर्फ नायिका की पारंपरिक छवि तक सीमित नहीं रखना चाहतीं। खास बातचीत में हरलीन ने अपने बचपन, अभिनय की शुरुआत, ‘ब्रोकन बट ब्यूटीफुल’ की सफलता और रिजेक्शन के अनुभवों पर बात की। उन्होंने सह–कलाकारों और ‘शक’ में श्रेया के किरदार की तैयारी से जुड़े अनुभव भी साझा किए। सवालरू बचपन में कैसी थीं? अभिनय का ख्याल कब आया? जवाबरू मैं बचपन से ही बहुत मस्तमौला थी। खेल–कूद और दूसरी गतिविधि यों में काफी रुचि थी। हालांकि, अभिनय करने का कोई प्लान नहीं था। मुझे सिर्फ इतना पता था कि परफॉर्मिंग आर्ट्स में कुछ करना है। मुझे संगीत में भी बहुत रुचि थी। याद है, बचपन में ‘कल हो न हो’ की कैसेट आई थी। मैंने उसे पूरे दिन बजाया था। मेरे दादा ने मजाक में कहा था कि जब तक सारे गाने याद नहीं हो जाएंगे, तब तक हमें यही सुनाती रहोगी। फिर संगीत से डांस और डांस से धीरे–धीरे अभिनय की तरफ आ गई। सवालरू क्या आप पढ़ाई में भी आप काफी अच्छी थीं? जवाबरू हां। मैंने विज्ञापन में पढ़ाई की और पूरे मुंबई में टॉप–5 में थी। उस समय टीचर और आसपास के लोग चाहते थे कि मैं पढ़ाई के क्षेत्र में आगे बढ़ूं। लेकिन मेरा मन वहां पूरी तरह नहीं था। मैंने विज्ञापन एजेंसी में काम करने के बारे में सोचा। विज्ञापनों में असिस्टेंट डायरेक्टर और असिस्टेंट प्रोड्यूसर के तौर पर भी काम किया। दरअसल, मैं लगातार तलाश रही थी कि परफॉर्मिंग आर्ट्स में आखिर मुझे करना क्या है। सवालरू वह कौन सा पल था, जब लगा कि अभिनय ही करना है? जवाबरू कोई एक पल तो याद नहीं, लेकिन गह मैंने अपना पहला विज्ञापन किया, तब आधे दिन के काम के लिए मुझे 17 हजार रुपए मिले थे। मैंने सोचा कि मैंने ऐसा क्या काम किया? बस मुस्कुराई और विज्ञापन किया। उस समय मेरे लिए यह बहुत बड़ी बात थी। उसके बाद धीरे–धीरे विश्वास बढ़ता गया। मैंने कई बड़े ब्रांड्स के विज्ञापन किए। लेकिन असली आत्मविश्वास वेब सीरीज ‘ब्रोकन बट ब्यूटीफुल’ से आया। सवालरू ‘ब्रोकन बट ब्यूटीफुल’ आपके लिए कितना बड़ा मोड़ था? जवाबरू यह मेरे लिए बहुत बड़ा मोड़ था। लोगों ने समीरा के किरदार से बहुत जुड़ाव महसूस किया। पहली बार मैंने लोगों को अपनी खूबसूरती और आवाज की तारीफ करते सुना। मैंने कभी खुद को उस नजर से नहीं देखा था। मुझे लगता था कि मैं खूबसूरत नहीं हूं, क्योंकि मेरी मां बहुत खूबसूरत हैं और मेरा भाई भी उन पर गया है। ‘ब्रोकन’ के बाद पहली बार मुझे लगा कि शायद मैं भी खूबसूरत हूं। यह मेरे लिए सिर्फ अभिनय की सफलता नहीं थी, बल्कि खुद को स्वीकार करने की यात्रा भी थी। सवालरू क्या आपको लगा था कि ‘ब्रोकन बट ब्यूटीफुल’ इतना बड़ा बनेगा? जवाबरू बिल्कुल नहीं। हमने बहुत सच्चाई और प्यार से इसे बनाया था, लेकिन यह कल्ट बन जाएगा, इसकी कल्पना नहीं की थी। आज भी रोमांटिक सीरीज की बात होती है तो ‘ब्रोकन बट ब्यूटीफुल’ का जिक्र होता है। शो दोबारा ट्रेड हुआ, लोगों ने इसके किरदारों और संगीत को फिर से पसंद किया। मुझे उन लड़कियों की तस्वीरें मिलीं, जिन्होंने समीरा वाला टैटू तक बनवाया था। कई लोगों ने लिखा कि समीरा के किरदार ने उन्हें खुद से प्यार करना सिखाया। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। सवालरू ‘ब्रोकन बट ब्यूटीफुल’ में विक्रान्त मैसी के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? जवाबरू बहुत अच्छा। जब आप करियर की शुरुआत कर रहे होते हैं, तब सामने वाला आपको छोटा महसूस न कराए, यह बहुत जरूरी होता है। विक्रान्त ने कभी मुझे ऐसा महसूस नहीं कराया कि वह मुझसे ज्यादा अनुभवी हैं। उन्होंने मेरी काफी मदद की और एक बार मेरी परफॉर्मेंस देखकर कहा था कि मैं उन्हें एक अनुभवी कलाकार जैसी लगी। मेरे लिए यह बहुत बड़ा कॉम्प्लिमेंट था। सवालरू ‘ब्रोकन’ के बाद आपने ‘कोहरा’ में मुख्य भूमिका के बजाय महत्वपूर्ण किरदार क्यों चुना? जवाबरू मेरे लिए अच्छी कहानी और अच्छे फिल्ममेकर्स के साथ काम करना ज्यादा जरूरी था। ‘कोहरा’ के ऑडिशन के लिए जो सीन मुझे मिले, उन्हें पढ़कर ही लगा कि यह बहुत अच्छा प्रोजेक्ट है। सुदीप शर्मा सर के साथ काम करने का मौका भी मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। उन्होंने मुझसे कहा था, ‘हरलीन, बस मुझ पर भरोसा रखो और इसे करो।’ मैंने उन पर भरोसा किया और ‘कोहरा’ मेरे लिए एक बड़ा मोड़ बन गया। हरलीन सेठी ने नेटफिलक्स की क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज ‘कोहरा’ में निम्नत कौर का संवेदनशील और दमदार किरदार निभाया है। सवालरू ‘कोहरा’ और ‘ब्रोकन बट ब्यूटीफुल’ की सफलता में क्या अंतर

महसूस हुआ? जवाबरू ‘ब्रोकन’ को दर्शकों से बहुत प्यार मिला। ‘कोहरा’ को इंडस्ट्री के लोगों से भी बहुत सराहना मिली और दर्शकों ने भी इसे पसंद किया। इन दोनों तरह की स्वीकृति का मिलना बहुत खास होता है। बहुत कम प्रोजेक्ट्स ऐसे होते हैं जिन्हें दर्शक भी पसंद करें और इंडस्ट्री के लोग भी उतनी ही गंभीरता से लें। सवालरू ‘बैड कॉप’ में अनुराग कश्यप और गुलशन देवैया जैसे कलाकारों के साथ काम करना कैसा रहा? जवाबरू बहुत मजेदार अनुभव था। गुलशन बहुत मजेदार और अलग तरह के इंसान हैं। उन्हें देखकर ही आपको मनोरंजन मिलता रहता है। अनुराग कश्यप हमेशा से मेरे पसंदीदा निर्देशकों में रहे हैं। उनके साथ एक ही प्रोजेक्ट में काम करना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। सौरभ सचदेवा, गुलशन, विक्रान्त, शरद केलकर जैसे कलाकारों के बीच मैं अनुभव के मामले में सबसे जूनियर थी। इसलिए मेरी कोशिश रहती थी कि मैं मेहनत करके जाऊं और उनके सामने कम न लगूं। सवालरू अनुराग कश्यप के निर्देशन में काम करने की इच्छा भी है? जवाबरू बिल्कुल। मैंने उनकी एक फिल्म के लिए ऑडिशन भी दिया था। बाद में किरदार बदल गया और उसमें एक अलग तरह के उच्चारण की जरूरत थी, इसलिए बात आगे नहीं बढ़ी। लेकिन उन्होंने मेरा ऑडिशन देखा था और खुद फोन करके मेरी तारीफ की थी। उम्मीद है, आगे उनके निर्देशन में काम करने का मौका मिले। सवालरू ‘शक’ के लिए हां कहने की सबसे बड़ी वजह क्या थी? जवाबरू रेंसिल डिसिल्वा सर का फोन आया था। उन्होंने श्रेया के किरदार के बारे में बताया। मैं उस समय जुहू सर्कल के सिग्नल पर कार में थी। जैसे ही उन्होंने किरदार के बारे में बताया, मुझे लगा कि इसमें बहुत सारी परतें हैं। वह बचपन से नायिका की सबसे अच्छी दोस्त है, उसका नायिका के पति से रिश्ता है, बच्ची के गायब होने में भी उसका हाथ है और वह अपने पति से भी सच छिपा रही है। इतना जटिल किरदार सुनते ही मैंने कहा– सर, मैं यह करना चाहती हूं। सवालरू श्रेया जैसे किरदार में उतरने के लिए आपने क्या तैयारी की? जवाबरू सबसे पहले मुझे अपने अंदर से उसके प्रति जजमेंट हटाना था। स्क्रिप्ट पढ़ते ही आप उसके कई फैसलों को गलत मान सकते हैं। लेकिन कलाकार के तौर पर आपको उस किरदार को समझना होता है।



बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर की सीरीज फर्जी 2 को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बज बना हुआ है. वहीं अब फर्जी 2 को लेकर एक बड़ा अपडेट भी सामने आया है. एक्ट्रेस युक्ति थरेजा, जो श्हाई जुनून! ड्रीम. डेयर. जॉमिनेट और दिल्ली क्राइम सीजन 3३ में नजर आ चुकी हैं, अब फर्जी सीजन 2 का हिस्सा बनने जा रही हैं. वो इस सीरीज में फीमेल लीड का किरदार निभाएंगी. युक्ति थरेजा ने खुद किया कंफर्म वैरायटी इंडिया को दिए इंटरव्यू में युक्ति थरेजा ने बताया कि वो फर्जी सीजन 2 में फीमेल लीड का किरदार निभा रही हैं और इस सीजन की वो इकलौती फीमेल मेन लीड हैं. उन्होंने कहा कि

उनके ज्यादातर सीन शाहिद कपूर के साथ हैं और उनका किरदार एक निडर Gen-Z महिला का है, जो सिस्टम के खिलाफ आवाज उठाती है. शाहिद कपूर की फर्जी 2 में युक्ति थरेजा की एंट्री, फीमेल लीड के लिए हुई फाइनल उन्होंने ये भी बताया कि उनके हिस्से की करीब 80 परसेंट शूटिंग पूरी हो चुकी है और सीरीज 2027 के मिड में रिलीज हो सकती है. हालांकि, फिल्म की अभी तक ऑफिशियल रिलीज डेट सामने नहीं आई है. शाहिद कपूर की फर्जी 2 में युक्ति थरेजा की एंट्री, फीमेल लीड के लिए हुई फाइनल फर्जी 2 की कहानी बता दें, पहले सीजन में शाहिद कपूर ने सनी का किरदार निभाया था।

‘चुट्टामल्ले’ के मॉर्फ़ वीडियो पर भड़के NTR



साउथ एक्टर जूनियर NTR ने उनकी फिल्म ‘देवरारु पार्ट 1’ के गाने ‘चुट्टामल्ले’ के AI से बनाए गए मॉर्फ़ड (डीपफ़ेक) वीडियो को लेकर भड़क गए। यह गाना जान्हवी कपूर के साथ फिल्माया गया था। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने लिखा, प्घ बेहद घिनौना, शर्मनाक और निंदनीय है। जिस देश में महिलाओं को मां और देवी के रूप में सम्मान दिया जाता है और ‘मातृदेवो भव’ हमारी संस्कृति का हिस्सा है, वहां कुछ लोग AI का इस्तेमाल कर एक महिला का इस तरह अपमान कर रहे हैं। मॉर्फ़ड वीडियो बनाने वालों को चेतावनी जूनियर NTR ने मॉर्फ़ड ‘चुट्टामल्ले’ वीडियो बनाने और उसे फैलाने वालों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने लिखा कि ‘चुट्टामल्ले’ के इस मॉर्फ़ड वीडियो को बनाने और फैलाने वालों के खिलाफ मैं हर संभव कानूनी कार्रवाई करूंगा। मैं उनमें से किसी को भी नहीं छोड़ूंगा। अभिनेता ने लोगों से ऐसे कंटेंट को बढ़ावा नहीं देने की अपील की। उन्होंने लिखा, ‘मैं लोगों से अपील करता हूं कि ऐसे कंटेंट को न देखें, न शेयर करें और न ही उस पर प्रतिक्रिया दें। आज यह किसी और के साथ हुआ है।



यामी गौतम की ‘नई नवेली’ ने 2 दिनों में दुनियाभर में कमाए 10.3 करोड़ रुपये, बॉक्स ऑफिस पर बढ़ी रफ्तार

यामी गौतम स्टारर फिल्म ‘नई नवेली’ बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत करती नजर आ रही है। फैंटेसी और फैमिली एंटरटेनमेंट से भरपूर इस फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन कमाई में बढ़त दर्ज की है। फिल्म ने पहले दिन दुनियाभर में 4.6 करोड़ रुपये का ग्राँस कलेक्शन किया था, जबकि दूसरे दिन 5.7 करोड़ रुपये कमाए। इस तरह फिल्म का कुल वर्ल्डवाइड ग्राँस कलेक्शन दो दिनों में 10.3 करोड़ रुपये हो गया है। मेकर्स को उम्मीद है कि त्योहारों के सीजन में फिल्म को परिवारों का अच्छा साथ मिलेगा। ‘नई नवेली’ की दूसरे दिन की कमाई में आई बढ़त से मेकर्स को आने वाले दिनों के लिए उम्मीदें हैं। फिल्म की कहानी, फैंटेसी से भरी दुनिया और यामी गौतम के नए अवतार को दर्शकों के सामने इसकी खासियत के तौर पर पेश किया जा रहा है। फिल्म में महाकाव्य की कहानी को पारिवारिक भावनाओं और एक्शन के साथ जोड़ने की कोशिश की गई है। मेकर्स के मुताबिक, फिल्म में अनोखे किरदार, अप्रत्याशित दिवस्ट और अच्छाई–बुराई के बीच की लड़ाई देखने को मिलती है। यही वजह है कि इसे फैमिली एंटरटेनर के तौर पर दर्शकों तक पहुंचाया जा रहा है। फिल्म में यामी गौतम अवस्थी परिवार की कहानी को पर्दे पर पेश कर रही हैं। उनके साथ आदिनाथ एम. कोठारे, अनुराग ठाकुर, सुनीता राजवार, मीता वशिष्ठ, आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुस्मिता मुखर्जी और प्रतीक पचौरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। फिल्म का निर्देशन बालाजी मोहन ने किया है, जबकि इसकी कहानी हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि ा शर्मा ने लिखी है। आनंद एल. राय और हिमांशु शर्मा ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है। इसका संगीत जी. वी. प्रकाश कुमार ने तैयार किया है। अमेजन एमजीएम स्टूडियो और कलर येलो के बैनर तले बनी ‘नई नवेली’ सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म की शुरुआती कमाई में दूसरे दिन दर्ज हुई बढ़त ने इसके बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन को लेकर दिलचस्पी बढ़ा दी है। अब देखना होगा कि आने वाले दिनों में फिल्म दर्शकों को कितना आकर्षित कर पाती है और इसकी कमाई किस रफ्तार से आगे बढ़ती है।





त्वचा पर लाना है निखार तो घर पर बनाएं नींबू के यह सात फेस पैक



यह तो हम सभी जानते हैं कि नींबू का इस्तेमाल खाने और पीने की चीजों में किया जाता है। जिससे इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत बनाएं रखा जा सकता है। इसमें मौजूद विटामिन सी न केवल हमें सेहतमंद बनाएं रखने में मदद करता है बल्कि चेहरे के निखार को भी बढ़ाता है। गर्मियों में टैनिंग और सनबर्न जैसी कई अन्य समस्याओं से बचाव के लिए त्वचा को अंदरूनी पोषण और मजबूती की जरूरत होती है। ऐसे में नींबू से बनने वाले कई प्रकार के फेस मास्क मददगार साबित हो सकते हैं, जिनका अपना अलग-अलग लाभ होता है।

आज हम आपको नींबू से बनने वाले सात फेस मास्क के बारे में बताने जा रहे हैं। खासियत ये है कि नींबू के फेस मास्क को बनाने के लिए सिर्फ एक और इंग्रीडिएंट की जरूरत होगी और ये 5 मिनट से भी कम समय में बनकर तैयार हो जाएगा। आइए आपको नींबू से बनने वाले 7 फेस पैक की विधि के साथ इसके बचाव भी बताते हैं...

- एलोवेरा और नींबू का फेस पैक
नींबू और एलोवेरा फेस पैक बनाने के लिए एक बड़ा चम्मच नींबू का रस, दो बड़े चम्मच एलोवेरा जेल और एक चम्मच पानी को मिलाकर मिक्सी में मिश्रण बना लें। अब इसे एक कटोरी में निकालकर चेहरे पर लगा लें। इसके बाद हल्के-हल्के हाथों से चेहरे की मसाज करें। 15 मिनट के बाद इसे पानी से धो लें। इस तरह से हफ्ते में 2 से 3 बार अपनाने पर आपको अपने चेहरे पर फर्क नजर आने लगेगा। एलोवेरा में मौजूद एलोसीन, एंटीएजिंग और मॉइस्चराइजिंग गुण त्वचा का कई तरह से बचाव करते हैं।
- केले और नींबू का फेस पैक
एक कटोरी में आधा पका हुआ केला डालें और उसे मैश कर लें। इसके बाद इसमें एक चम्मच नींबू का रस और आधा चम्मच पानी मिलाकर मिश्रण तैयार कर लें। अब इसे अपने चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगाकर रखें। सूख जाने पर चेहरे को पानी से धो लें। इस तरह से हफ्ते में दो बार लगाने पर आपकी त्वचा का रंग साफ हो सकेगा। केले में विटामिन सी, ए और ई पाया जाता है, जो चेहरे के पिगमेंट को कम करने में मदद करता है। इसके इस्तेमाल से झुर्रियों को भी दूर किया जा सकता है।
- टमाटर और नींबू का फेस पैक
एक कटोरी में आधा टमाटर का रस, एक चम्मच नींबू का रस और आधा चम्मच पानी डालकर मिला लें। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे और गर्दन पर लगा लें। 15 मिनट के बाद जब फेस मास्क सूख जाए तो चेहरे को पानी से धो लें। इस तरह से आप हफ्ते में 2 से 3 बार लगा सकते हैं। इसके इस्तेमाल से हाइपरपिगमेंटेशन को दूर किया जा सकता है। ये मिश्रण ऑयली स्किन के लोगों के लिए भी अच्छा माना जाता है।
- पपीता और नींबू का फेस पैक
एक चम्मच पपीते के छिलके का पाउडर, एक चम्मच कच्चे पपीते का गूदा, एक चम्मच नींबू का रस और आधा चम्मच पानी को एक बाउल में डालकर मिक्स कर लें। इस पैक को अपने चेहरे और गर्दन पर लगा लें। करीब 15 मिनट के बाद जब ये सूख जाए तो पानी इसे वाँश कर लें। इसके इस्तेमाल से दाग-धब्बे दूर होते हैं। साथ ही दमकती त्वचा होती है।
- मुल्तानी मिट्टी और नींबू का फेश पैक
नींबू और मुल्तानी मिट्टी का फेश पैक बनाने के लिए एक बड़ा चम्मच मुल्तानी मिट्टी, एक चम्मच नींबू का रस और एक बड़ा चम्मच दही को कटोरी में डालकर मिला लें। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगा लें। सूख जाने पर चेहरे को पानी से धो लें। इसके इस्तेमाल से ब्लैकहेड्स, दाग-धब्बे समेत अन्य समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। अगर आपकी त्वचा रूखी है तो आप इसमें शहद भी मिला सकते हैं।
- नींबू और शहद का फेस पैक
शहद और नींबू का फेस पैक बनाने के लिए ऑर्गेनिक शहद बेहतर माना जाता है। इसलिए हो सके तो आप इसी का इस्तेमाल करें। फेस पैक बनाने के लिए एक बड़ा चम्मच ऑर्गेनिक शहद, एक चम्मच नींबू का रस और एक छोटा चम्मच पानी को बाउल में मिला लें। इस तरह से ये पैक तैयार हो जाएगा। अब इसे अपने चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगाकर रखें, सूखने पर पानी से चेहरे को धो लें। इसके इस्तेमाल से त्वचा जवां और झुर्रियों से मुक्त रहती है।
- आलू और नींबू का फेस पैक
आलू और नींबू का फेस पैक बनाने के लिए तीन चम्मच आलू का रस और एक चम्मच नींबू का रस को मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को चेहरे या जहां टैनिंग हो रही है वहां लगा लें। इसे दो कोट में लगाएं। पहले करीब 3 मिनट तक लगाकर सूखने के लिए छोड़ें, इसके बाद एक और कोट लगाएं। इस तरह से हफ्ते में 2 से 3 बार करने पर आपको फायदा नजर आएगा। आलू और नींबू से त्वचा पर नेचुरल ब्लीच के जैसा असर होता है। इसके अलावा त्वचा का रंग भी निखारता है।



नाखूनों को चमकदार और सुंदर बनाने के लिए ये टिप्स हैं बेस्ट

□अपने नाखूनों और क्यूटिकल्स पर रोजाना मॉइस्चराइजर लगाएं।
□यूरिया, फॉस्फोलिपिड्स या लैक्टिक एसिड वाली क्रीम दरार को रोकने में मदद कर सकती हैं।
□मजबूत साबुन और डिटर्जेंट जैसे कठोर रसायनों से बचें।

□एसीटोन या फॉर्मलाडेहाइड युक्त नेल पॉलिश रिमूवर से बचें।
□हेथर डाई जैसे रसायनों के उपयोग से बचें या सीमित करें।
□यदि आप बार-बार मैनीक्योर करवाते हैं तो अपने उपकरण साथ लाएं।
□अपने नाखूनों के नीचे

बहुत बार या बहुत आक्रामक तरीके से सफाई न करें।
□संतुलित आहार लें और बायोटिन युक्त विटामिन लें।
□यदि आपके पास कृत्रिम नाखून हैं, तो हरे रंग की मलिनकिरण (जीवाणु संक्रमण का संकेत) के लिए नियमित रूप से जांच करें।
□अपने नाखूनों को साफ

और सूखा रखें।
□अपने हाथों को बार-बार मॉइस्चराइज करें, खासकर उन्हें धोने के बाद।
□अपने नाखूनों और क्यूटिकल्स पर भी मॉइस्चराइजर लगाना न भूलें।
□कृत्रिम नाखूनों को सावध ानीपूर्वक और निर्माता के निर्देशों के अनुसार निकालें।

□हैंगनेल को काटने या फाड़ने की इच्छा का विरोध करें – नेल क्लिप्स का उपयोग करें।
□अपने आप को फंगल संक्रमण से बचाने के लिए, तौलिये को सांझा न करें, स्नान करने के बाद (विशेषकर पैर की उंगलियों के बीच) अपने आप को हमेशा अच्छी तरह से सुखाएं, और स्थानीय जिम या स्विमिंग पूल जैसे सांप्रदायिक स्नान क्षेत्रों में हवाई चप्पलें पहनें।
□अपने हाथों पर एक्जिमा के किसी भी लक्षण का तुरंत इलाज करें।
□बर्तन धोने जैसे गीले काम के लिए सुरक्षात्मक दस्ताने पहनें।
□अपने आप को एक घरेलू मैनीक्योर देते समय, क्यूटिकल्स को पीछे न धकेलें।



यूरिक एसिड कंट्रोल करने का एक रामबाण नुस्खा, नहीं पड़ेगी दवा की जरूरत

○ थायराइड, पीसीओडी जैसी बड़ी प्रॉब्लम्स के बीच यूरिक एसिड भी सबसे आम सुनने वाली समस्या बन गई है। इसकी चपेट में महिलाएं भी हैं और पु्र्ष भी। यूरिक एसिड की समस्या तब शुरू होती है जब किडनी यूरिक एसिड को ठीक से फिल्टर कर यूरिन रास्ते बाहर नहीं कर पाती और ये क्रिस्टल के रूप में जोड़ों में ही जमा होने लगता है। इसी के चलते जोड़ों में दर्द और पैरों में सूजन दिखने लगती है। अगर इसे कंट्रोल ना किया जाए तो यह गाउट यानि गठिया बन जाता है।

में यह दिल और दिमाग दोनों के लिए फायदेमंद है। इससे तनान कम होता है और इम्यूनिटी स्ट्रॉंग होती है।
यूरिक एसिड का लेवल कंट्रोल करने के लिए लाइफस्टाइल को हैल्दी बनाए रखें।

30 से 45 मिनट हलकी फुल्की एक्सरसाइज करें।
हाई प्रोटीन चीजें जैसे राजमाह, मटर, चने और छिलके वाली दालों का सेवन डिनर में ना करें।
इसके अलावा हरी सब्जी का हैल्दी जूस, नींबू का सेवन करें।
सूर्यास्त के बाद डिनर जल्दी करें। आप 8 बजे तक इसे कंलीट करें।
विटामिन सी भरपूर खट्टे फल खाएं जैसे जामुन, संतरा, नींबू, आंवला आदि।
8 से 10 गिलास भरपूर पानी पीएं।



8 घंटे की नींद लें।
मेटाबॉलिक रेट बढ़ाएं।
स्ट्रेस लेने से बचें। योग व मेडिटेशन का सहारा लें।
एल्कोहल का सेवन ना करें। ज्यादा नॉनवेज जैसे रेडमीट खाने से बचें।
याद रखिए यह रोग भी लाइफस्टाइल से जुड़ा है जब तक आप हैल्दी लाइफस्टाइल नहीं अपनाएंगे दवा भी असर नहीं दिखाएगी।

फेशियल के तुरंत बाद भूलकर भी न करें ये गलतियां, चेहरे पर जल्द दिखने लगेगा बुढ़ापा

मेकअप से करें परहेज—
फेशियल करवाने के बाद आपकी स्किन अंदर तक साफ हो जाती है और त्वचा के पोर्स खुल जाते हैं। ऐसे में फेशियल के तुरंत बाद मेकअप करने से उनमें मौजूद केमिकल स्किन के अंदर चले जाते हैं और कई स्किन प्रॉब्लम्स का कारण बनते हैं।
साबुन न करें यूज—
फेशियल करवाने के तुरंत बाद चेहरे और गर्दन पर साबुन न लगाएं। इसकी जगह चेहरे को आप गुलाबजल से साफ करें। साबुन के इस्तेमाल से चेहरे पर चमक नहीं आती।
श्रेडिंग से होगा नुकसान—
आपको अपनी थ्रेडिंग या

अपर—लिप हमेशा फेशियल से पहले करवाने चाहिए।
फेशियल के तुरंत बाद इन्हें करवाने से आपके चेहरे की स्किन को नुकसान हो सकता है। फेशियल के बाद चेहरे की स्किन अधिक संवेदनशील होने से इस पर दाने पड़ सकते हैं।
धूप से बचें—
हमेशा अपना फेशियल घर के पास वाले पार्लर में ही करवाएं। पार्लर दूर होने पर आपको वापस घर लौटते समय धूल और धूप का सामना करना पड़ सकता है। जिसकी वजह से आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचेगा। दरअसल करवाने के बाद त्वचा के रोम



○ फेशियल करवाने के बाद भी अगर आपके चेहरे पर ग्लो नहीं आता या त्वचा से जुड़ी समस्याएं आपको बेहद परेशान कर रही हैं तो इसके पीछे फेशियल के बाद की जाने वाली कुछ गलतियां जिम्मेदार हो सकती हैं। फेशियल त्वचा के डेड स्किन सेल्स को हटाकर त्वचा पर निखार लाने का काम करता है। यह त्वचा में कसाव लाने के साथ ब्लड सर्कुलेशन को भी बेहतर बनाता है। लेकिन फेशियल करवाने के बाद अगर आप ये गलतियां करते हैं तो आपको फायदे की जगह नुकसान पहुंचा सकता है और आपकी त्वचा समय से पहले बूढ़ी लगने लगती है। आइए जानते हैं ऐसी ही कुछ गलतियों के बारे में।

छिद्र खुल जाते हैं और त्वचा पहले से ज्यादा क्लीन हो

जाती है।
जिससे सूर्य की किरणें

त्वचा पर हानिकारक प्रभाव डाल सकती हैं। फेशियल के बाद कुछ दिनों तक धूप में जाने से परहेज करें।

सक्षिप्त



पीयूष गोयल बोले, एआई कभी नहीं ले सकता हस्तशिल्प और हथकरघा जैसे पारंपरिक हुनर की जगह

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि तेजी से बदलते प्रौद्योगिकी परिदृश्य के लिए तैयारी करने और भारत को वैश्विक नेता के रूप में उभरने के अवसरों का लाभ उठाने के लिए सरकार ऐसे पेशों व क्षेत्रों की पहचान कर रही है, जिन पर कृत्रिम मेधा (एआई) का असर अपेक्षाकृत कम होगा। गोयल ने कहा कि सरकार का जोर ऐसे क्षेत्रों पर है, जहां एआई मानव श्रम का स्थान लेने के बजाय कार्यक्षमता बढ़ाने में मदद कर सकता है। केंद्रीय मंत्री ने शुक्रवार को जर्मनी में भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शोधकर्ताओं और छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, “मैंने अपने मंत्रालय से ऐसे पेशों की पहचान करने को कहा है, जिन पर एआई का प्रभाव कम पड़ेगा। आखिरकार, हमें एक राष्ट्र के रूप में करोड़ों लोगों के लिए योजना बनानी है। ऐसे कौन से क्षेत्र हैं, जहां एआई अधिकतम कार्यक्षमता बढ़ा सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि वह मानव श्रम का स्थान ले।” यह पूछे जाने पर कि इस पहल का मकसद क्या है, मंत्री ने हस्तशिल्प, हथकरघा, पाक कला और पर्यटन जैसे क्षेत्रों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में पारंपरिक कौशल और मानवीय रचनात्मकता की अहम भूमिका है तथा भारत के पास इनमें आगे बढ़ने की विशेष क्षमता है। उन्होंने कहा, “हमारे हस्तशिल्प और हथकरघा का स्थान एआई किसी भी तरह से नहीं ले सकता। ऐसे कई क्षेत्र हैं, जिनमें हमारी विशेष ताकत है। हम इन पर ध्यान देंगे और इन्हें विकसित भी करेंगे, ताकि 140 करोड़ लोगों का भविष्य बेहतर बनाया जा सके।” इन क्षेत्रों को प्रोत्साहन देने के लिए संभावित सरकारी योजनाओं और वित्तीय सहायता के बारे में पूछे जाने पर गोयल ने कहा कि जहां जरूरत होगी, वहां सहायता दी जाएगी, लेकिन हर गतिविधि के लिए प्रोत्साहन देना आवश्यक नहीं है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में निजी क्षेत्र, सरकार और लोगों की अगुवाई वाली विभिन्न पहल के साथ—साथ उपलब्ध अवसरों के आधार पर भी काम किया जाएगा। गोयल ने विदेश में काम कर रहे भारतीय शोधकर्ताओं, इंजीनियरों और वैज्ञानिकों को देश लौटकर विकास में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत पर भी जोर दिया। मंत्री ने कहा कि उन्होंने जर्मनी में भारतीय शोधकर्ताओं और छात्रों से यह बताने को कहा है कि वे भारत लौटने पर किन सुविधाओं तथा सहयोग की अपेक्षा रखते हैं।

वैश्विक संकट के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत, RBI बुलेटिन में घरेलू मांग को मिला श्रेय

पश्चिम एशिया संकट के कारण बढ़ती महंगाई और मौजूदा व्यापार तनाव जैसी वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद और लक्षित नीतिगत उपाय अर्थव्यवस्था को सहारा दे रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी बुलेटिन में यह बात कही गई। अक्टूबर बुलेटिन में प्रकाशित ‘अर्थव्यवस्था की स्थिति’ शीर्षक वाले लेख के मुताबिक, पश्चिम एशिया में नए सिरे से भू–राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं ने महंगाई का दबाव बढ़ाया है। इसके चलते प्रमुख केंद्रीय बैंकों ने नीतिगत ब्याज दरें बढ़ाई हैं। विकसित अर्थव्यवस्थाओं में सरकारी बॉन्ड पर मिलने वाले प्रतिफल की ऊंची दरों ने भी राजकोषीय और वित्तीय स्थिरता पर इसके असर को लेकर चिंताएं बढ़ाई हैं। लेख के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की तरफ से 2026 और 2027 के लिए वैश्विक आर्थिक परिदृश्य का अनुमान बढ़ाने के बावजूद वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने कई बड़े जोखिम बने हुए हैं। इनमें बढ़ती महंगाई, ऊंचा सार्वजनिक कर्ज और राजकोषीय स्थिरता से जुड़ी चिंताएं शामिल हैं। हालांकि, कृत्रिम मेधा (एआई) से मिलने वाले लाभ और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव कुछ राहत देने वाले कारक हैं। लेख में कहा गया है कि ऊर्जा का शुद्ध आयातक होने के बावजूद भारत में घरेलू मांग और सेवा क्षेत्र की मजबूती से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि को समर्थन मिला है। उद्योग और सेवा क्षेत्र के महत्वपूर्ण आंकड़ें भी अर्थव्यवस्था की मजबूती दर्शाते हैं। आरबीआई के लेख के मुताबिक, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई हाल के महीनों में बढ़ी है और इसका असर अधिक क्षेत्रों तक फैलने के संकेत मिले हैं। ऐसे में मोद्रिक नीति के रुख में इसके अनुरूप बदलाव की जरूरत हो सकती है। लेख में कहा गया है, विदेशी मुद्रा बाजार में सट्टेबाजी की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए रिजर्व बैंक ने कई नियामकीय उपाय किए हैं, जिनसे वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मदद मिल रही है। एफसीएनआर (बी) अदला–बदली सुविधा के तहत मजबूत प्रवाह से विदेशी मुद्रा भंडार को भी समर्थन मिला। अगस्त में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), बाह्य वाणिज्यिक उधारों (ईसीबी) और विदेश से भेजे गए धन के प्रवाह में मजबूती आई। अगस्त, 2026 में एफडीआई प्रवाह मजबूत बना रहा। संचार, विविध सेवाओं और विनिर्माण क्षेत्रों में कुल एफडीआई का दो–तिहाई से अधिक निवेश आया। अमेरिका, सिंगापुर और मॉरीशस से करीब 72 प्रतिशत एफडीआई प्रवाह हुआ। बुलेटिन के मुताबिक, सितंबर और अक्टूबर में 19 तारीख तक भारतीय शेयर बाजारों में ज्यादातर गिरावट का रुख रहा। वैश्विक तनाव बढ़ने, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और वित्तीय परिस्थितियों के संख्त होने से निवेशकों की जोखिम लेने की इच्छा प्रभावित हुई। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली से विदेशी निवेश पर दबाव पड़ा, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक शुद्ध खरीदार बने रहे। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि बुलेटिन में प्रकाशित लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और इन्हें केंद्रीय बैंक का आधिकारिक रुख नहीं माना जाना चाहिए।

खेल

तिलक वर्मा की जुझारू पारी से जीता भारत

दूसरे T20I में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया

क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल में खेले गए दूसरे T20I मैच में न्यूजीलैंड ने वापसी की कोशिश की, लेकिन भारत ने अंत तक हार नहीं मानी। तिलक वर्मा की शानदार पारी की बदौलत भारत ने मैच के आखिरी ओवर में 181 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया। पिच की स्थिति ऐसी नहीं थी कि बल्लेबाज आक्रामक क्रिकेट खेल सकें, जिससे भारत शुरुआत में ही दबाव में आ गया था। हालांकि, एक अतिरिक्त बल्लेबाज को खिलाने का दांव काम कर गया और भारत ने मैच जीतकर सीरीज में 2–0 की बढ़त बना ली।

वहीं, भारत ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहा। न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही; टिम सीफर्ट, फिन एलन और डेरिल मिशेल कोई खास प्रभाव नहीं डाल सके। ये तीनों खिलाड़ी क्रमशः 7, 16 और 6 रन बनाकर आउट हो गए, जिससे

एक समय न्यूजीलैंड का स्कोर 41 / 3 हो गया था। इसके बाद, र्लेन फिलिप्स और बेवन जैकब्स ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने न केवल न्यूजीलैंड को मुकाबले में वापस ला खड़ा किया, बल्कि टीम को एक ऐसा स्कोर भी दिया जिसका बचाव किया जा सकता था। दोनों क्रिकेटरों ने शुरुआत में जमने के लिए थोड़ा समय लिया और फिर भारतीय गेंदबाजों पर दबाव वापस डाल दिया। फिलिप्स ने 43 गेंदों में 70 रन बनाए, जिसमें चार चौके और चार छक्के शामिल थे, जबकि जैकब्स ने 46 गेंदों में 58 रन बनाए। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने दो विकेट लिए, जबकि भुवनेश्वर कुमार ने चार साल में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय विकेट हासिल किया। हालांकि, उन्होंने अपने चार ओवरों में 50 रन दिए, जो निश्चित रूप से चिंता का विषय है। भारत के ओपनर संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा उस तरह की तेज़ शुरुआत नहीं दिला पाए, जिसके लिए वे जाने जाते हैं। सैमसन ने अपने



पहले ही ओवर में कोई रन नहीं बनाया (मेडन ओवर), जबकि अभिषेक दूसरे ओवर में ही आउट हो सकते थे, लेकिन जैकब डफी की नो–बॉल ने उन्हें बचा लिया। सैमसन के लिए मैदान पर कुछ भी ठीक नहीं रहा। यह

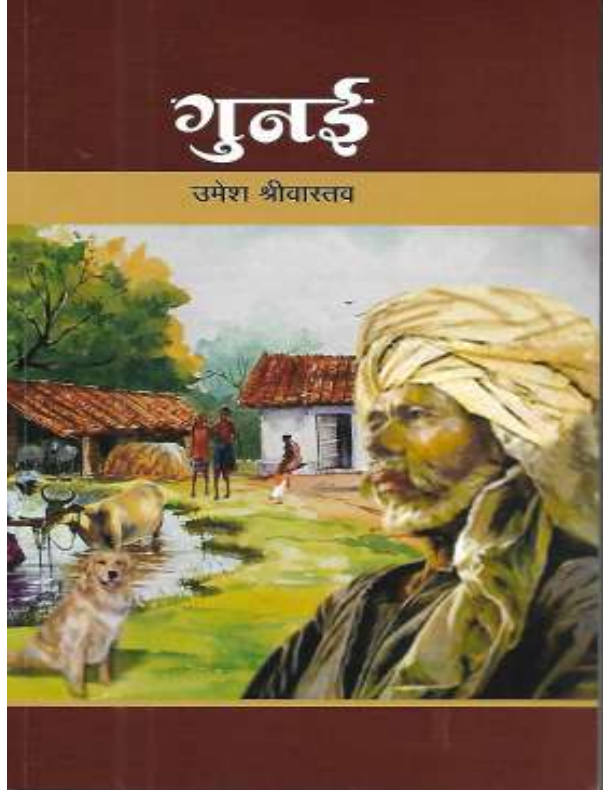
विकेटकीपर–बल्लेबाज कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ सका और 17 गेंदों में 14 रन बनाकर आउट हो गया। चोटिल ईशान किशन की जगह आए वैभव सूर्यवंशी मैदान पर उतरे, लेकिन 15 साल के इस खिलाड़ी ने 8 गेंदों में सिर्फ 4

रन बनाए। इस के बाद जिम्मेदारी कप्तान श्रेयस अय्यर और अभिषेक पर आ गई, लेकिन दोनों ही स्कोरबोर्ड को आगे नहीं बढ़ा सके; श्रेयस 7 रन और अभिषेक 27 रन बनाकर आउट हो गए। नमन धीर इकलौते ऐसे खिलाड़ी रहे

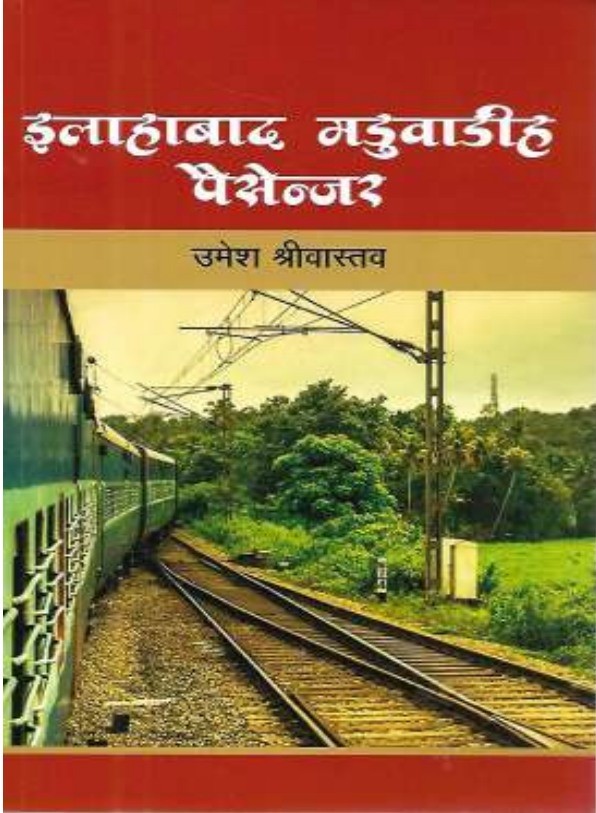
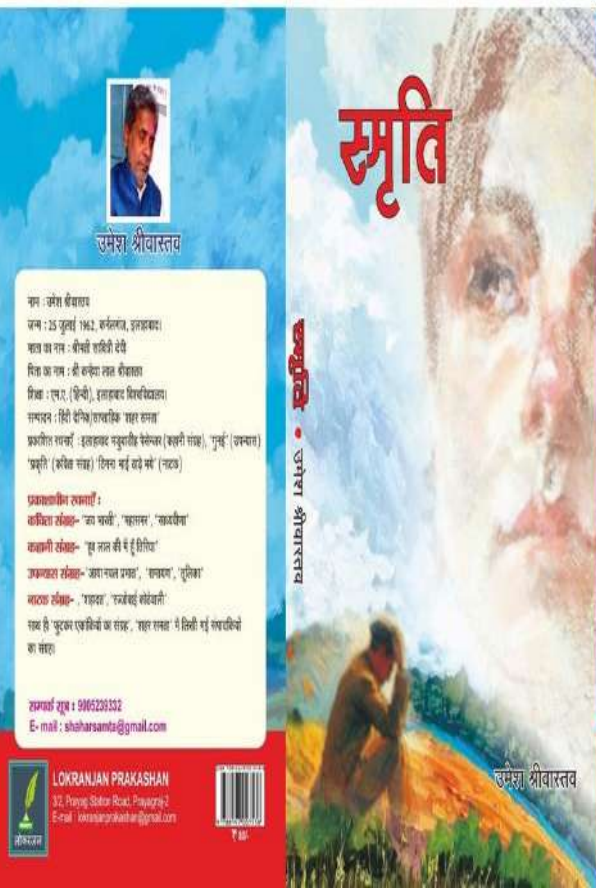
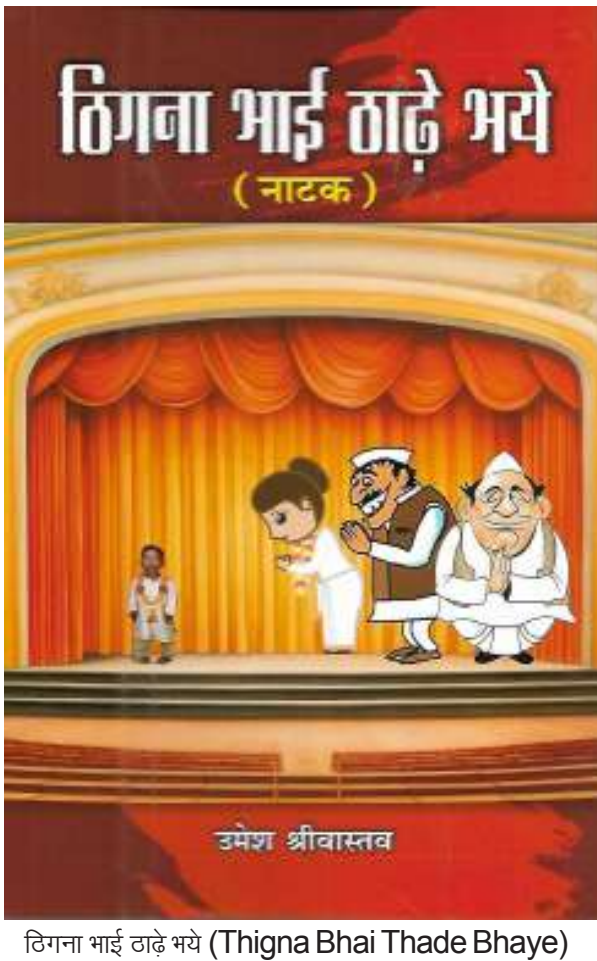
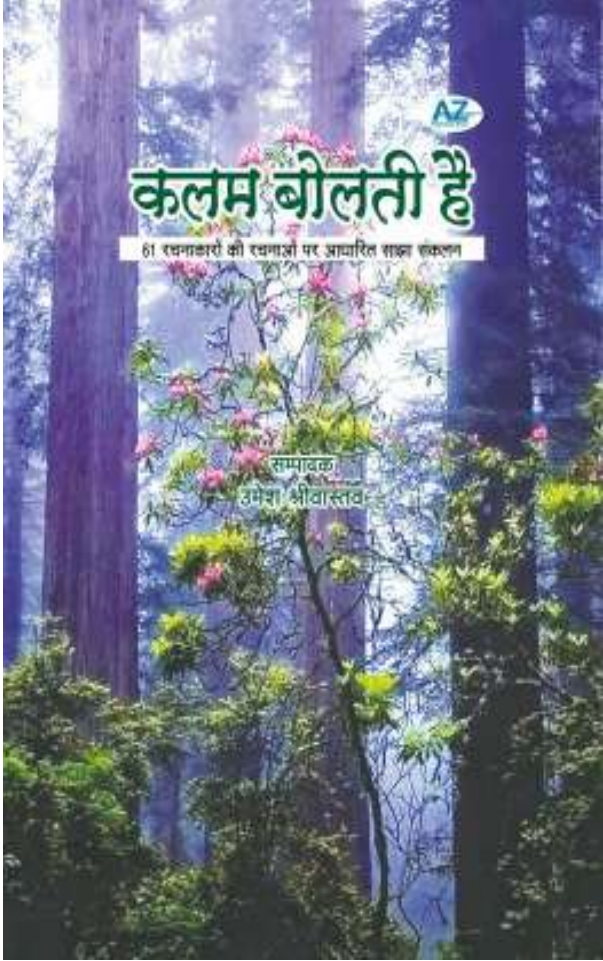
जिन्होंने निडर होकर क्रिकेट खेला, लेकिन पंजाब के इस बल्लेबाज के लिए लय बनाए रखना मुश्किल रहा। वह 17 गेंदों में 31 रन बनाकर आउट हुए, जिससे मेहमान टीम (भारत) की मैच में थोड़ी वापसी हुई।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट से बाहर हुए नॉर्टजे

केप टाउन के न्यूलैंड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले तीसरे टेस्ट से तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे बाहर हो गए हैं। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने इस बात की पुष्टि की है और सीरीज के आखिरी मैच के लिए अपनी अपडेटेड टीम की घोषणा की है। फिलहाल सीरीज 1–1 से बराबरी पर है। गौरतलब है कि नॉर्टजे को ग्रीइन (जांच के ऊपरी हिस्से) में हल्की चोट लगी है, जो उन्हें गेबेरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट के दौरान लगी थी। मैच से बाहर होने से पहले, उन्होंने पहली पारी में केवल 3.3 ओवर ही गेंदबाजी की थी। CSA ने बताया कि बाद में कराए गए स्कैन से चोट की गंभीरता का पता चला, लेकिन बोर्ड ने इसके बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है। CSA के बयान में कहा गया कि उन्हें बुधवार को गेबेरहा में दूसरे डफाबेट टेस्ट की पहली पारी में गेंदबाजी करते समय चोट लग गई थी। गुरुवार को कराए गए स्कैन से चोट की गंभीरता का पता चला। एनरिक नॉर्टजे के चोटिल होने से अब कॉर्बिन बॉश, गेराल्ड कोएल्जी या डेन पैटरसन में से किसी एक के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी टेस्ट में खेलने का रास्ता खुल गया है। हालांकि, अगर प्रोटियाज़ टीम में एक अतिरिक्त स्पिनर को शामिल करना चाहे, तो केशव महाराज को टीम में लिया जा सकता है। इसके अलावा, अगर दक्षिण अफ्रीका धीमी गेंदबाजी का विकल्प चुनना चाहे, तो वे बाएं हाथ के स्पिन–गेंदबाजी ऑलराउंडर सेनुरन मुथुसामी पर विचार कर सकते हैं। दूसरी ओर, दूसरे टेस्ट में रयान रिकेलटन के विकेटकीपिंग करने के बावजूद, काइल वेरेने ने टीम में अपनी जगह बनाए रखी है। वे बल्लेबाजी क्रम में भी नीचे खिसक गए थे, और पूरी संभावना है कि वे प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह बरकरार रखेंगे। दक्षिण अफ्रीका अपने कई घायल खिलाड़ियों की रिकवरी पर नज़र रख रहा है, जो उनके व्यस्त गर्मियों के शेड्यूल के दौरान टीम में शामिल हो सकते हैं। घरेलू फर्स्ट–क्लास प्रतियोगिता के शुरुआती दौर में हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर हुए लुंगी एनगिडी के अगले महीने वापसी करने की उम्मीद है और वे बांग्लादेश सीरीज के लिए एक संभावित विकल्प हो सकते हैं।



चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित



समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है।

उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

ऐसा क्या हुआ ? जीतकर भी पीएम नहीं बन पाएंगे नेतन्याहू!

सत्ता परिवर्तन से गाजा को मिलेगी राहत या आएगी और बड़ी आफत

27 अक्टूबर 2026
इजराइल के इतिहास का एक ऐसा मोड़ जिस पर आज पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई है। यह सिर्फ एक आम चुनाव नहीं है बल्कि दुनिया के सबसे अनुभवी और कद्दावर राजनेताओं में से एक बेंजामिन नेतन्याहू के पूरे राजनीतिक जीवन की सबसे अनोखी परीक्षा है। एक ऐसा नेता जिसने हर संकट से देश को निकालने का दावा किया। आज इजराइल के ही एक अनोखे राजनीतिक चक्रव्यूह में वह घिरा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स एक बेहद दिलचस्प संभावना की तरफ इशारा कर रही हैं कि नेतन्याहू की पार्टी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभर तो सकती है लेकिन इजराइल के पेचीदा चुनावी गणित और गठबंधन की शर्तों के कारण शायद शायद सत्ता की चाबी उनके हाथ से फिसल जाए। जीत की दहलीज पर खड़े होकर भी सरकार बनाने का सीधा वोट नहीं देती। वहां लोग पार्टियों को वोट देते हैं। संसद में कुल 120 सीटें हैं और सरकार बनाने के लिए जादुई आंकड़ा है 61 सीटों का। इजराइल के इतिहास में आज तक किसी भी सिंगल पार्टी को अकेले 61 सीटें नहीं मिली हैं। इसका मतलब इसका मतलब है कि वहां हमेशा खिचड़ी



समीकरण बिठा लेगा।

इजरायल का चुनावी सिस्टम भारत से कितना अलग?

इस पूरे गणित को समझने के लिए पहले हमें इजराइल के चुनावी सिस्टम को समझना होगा जो भारत या अमेरिका से बिल्कुल अलग है। इजराइल में जनता किसी एक प्रधानमंत्री उम्मीदवार को सीधा वोट नहीं देती। वहां लोग पार्टियों को वोट देते हैं। संसद में कुल 120 सीटें हैं और सरकार बनाने के लिए जादुई आंकड़ा है 61 सीटों का। इजराइल के इतिहास में आज तक किसी भी सिंगल पार्टी को अकेले 61 सीटें नहीं मिली हैं। इसका मतलब इसका मतलब है कि वहां हमेशा खिचड़ी

सरकार यानी गठबंधन वाली गर्वमेंट होती है। नेतन्याहू इसी गठबंधन के सबसे बड़े खिलाड़ी हैं। वो छोटी-छोटी कट्टरपंथी और दक्षिणपंथी पार्टियों को मिलाकर किसी तरह 61 वाला आंकड़ा जुटा लेते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स कहती हैं इस बार इसी दक्षिणपंथी वोट बैंक में एक बहुत बड़ी दरार आ चुकी है। नेतन्याहू के लिए क्या है मुसीबत

अब बात करते हैं उस बारूद के ढेर यानी सेना में भर्ती वाला कानून की जिसने नेतन्याहू की सरकार को हिलाया है। इजराइल में एक नियम है कि हर नागरिक चाहे लड़का हो या लड़की उसे दो से तीन

साल तक इजराइल के डिफेंस फोर्स में देश की सेवा करनी ही होगी। लेकिन 1948 से इजराइल के अतिरूढ़िवादी यानी हारेदी यहूदी को इससे छूट मिली हुई थी। वो सिर्फ धार्मिक पढ़ाई करते थे और उन्हें सेना में नहीं जाना पड़ता था। लेकिन 7 अक्टूबर के हमलों और लगातार चल रहे बहु मोर्चों के युद्ध के बाद इजराइल की सेना थक चुकी है। सेना के चीफ ने साफ कह दिया कि अब हमें और सैनिक चाहिए और यह भेदभाव नहीं चलेगा। इजराइल की सुप्रीम कोर्ट ने भी आदेश दे दिया कि रूढ़िवादी यहूदियों को भी सेना में भर्ती होना पड़ेगा। फॉरेन पॉलिसी की रिपोर्ट के

मुताबिक इजराइल की आम जनता इस बात से बेहद गुस्से में है और वह पूछ रहे हैं कि हमारे बच्चे सीमा पर जान दें और यह कुछ लोग घर में बैठकर सिर्फ पूजा क्यों करें? 72: इजराइली चाहते हैं कि सबके लिए सेना का नियम बराबर होना चाहिए। लेकिन नेतन्याहू की कुर्सी जिन पार्टियों के दम पर टिकी है जैसे शास और यूनाइटेड टोरा जुडाइज्म वो कट्टर धार्मिक पार्टियां हैं। उन्होंने नेतन्याहू को धमकी दी है कि अगर हमारे बच्चों को सेना में भेजा गया तो हम सरकार गिरा देंगे।

सर्वे ने उड़ाई नेतन्याहू की नींद

दक्षिणपंथी नेता ऑफर वितर ने साफ कह दिया है कि वह चुनाव के बाद राष्ट्रपति से नेतन्याहू को पीएम बनाने की सिफारिश तो कर देंगे लेकिन वह उनकी सरकार का हिस्सा नहीं बनेंगे जब तक सेना में भर्ती का कानून पूरी तरह लागू नहीं होता। दूसरी तरफ द जेरुशसलम पोस्ट की तरफ से शेयर किए गए मारिव के लेटेस्ट पोल के नतीजे नेतन्याहू के लिए नींदें उड़ाने वाले हैं। इस सर्वे के मुताबिक 48: इजराइली जनता मानती है कि पूर्व सेना प्रमुख गादी आयदन कोर्ट

लाहौर सामूहिक दुष्कर्म मामले में मरियम नवाज ने जज पर लगाया रिश्वत लेने का आरोप

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने शनिवार को आरोप लगाया कि अजरबैजान की 20 वर्षीय महिला से सामूहिक दुष्कर्म के मामले की सुनवाई कर रहे एक न्यायाधीश ने मुख्य आरोपी को जमानत देने के बदले उससे रिश्वत ली। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मुख्य आरोपी अहमद तनवीर ने महिला को उसके और दो अन्य आरोपियों के खिलाफ लगाए गए आरोप वापस लेने के लिए 70,000 अमेरिकी डॉलर देने की पेशकश की थी। अधिकारियों के अनुसार, अजरबैजान की राजधानी बाकू की रहने वाली महिला सितंबर के मध्य में व्यापार के सिलसिले में पाकिस्तान आई थी। पुलिस ने बताया कि 25 सितंबर को लाहौर में दो महिलाएं उसे ‘डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी’ (डीएचए) क्षेत्र के एक कैफे में ले गई थीं, जहां तीन पुरुष भी उनके साथ शामिल हो गए। इसने बताया कि इसके बाद इन पुरुषों ने उसे और दो अन्य महिलाओं को अपने वाहन में उनके गंतव्य तक छोड़ने की पेशकश की। पुलिस के अनुसार, ये लोग महिला को एक फ्लैट में ले गए, जहां उन्होंने शराब पी और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस ने इस मामले में दो पुरुष आरोपियों और दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि अहमद तनवीर जमानत पर था। हालांकि, शुक्रवार को अग्रिम जमानत की अवधि बढ़ाए जाने के बावजूद पुलिस ने तनवीर को लाहौर की सत्र अदालत के बाहर गिरफ्तार कर लिया। मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने तनवीर की गिरफ्तारी को सही ठहराते हुए सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर लिखा, “कोई भी बलात्कारी या अपराधी केवल इसलिए न्याय से बच नहीं सकता कि उसके पास पैसा है।” उन्होंने कहा कि यह बात सामने आई है कि आरोपी के संपन्न परिवार ने पीड़िता को अपने आरोप वापस लेने के बदले दो करोड़ पाकिस्तानी रुपये (करीब 72,000 अमेरिकी डॉलर) देने की पेशकश की थी, जबकि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत उसका बयान पहले ही दर्ज किया जा चुका था। मरियम नवाज ने कहा, “यह आरोप भी है कि आरोपी को जमानत देने वाले न्यायाधीश को रिश्वत दी गई थी। यदि ये आरोप सही हैं, तो इससे न्याय व्यवस्था की ईमानदारी और दुष्कर्म पीड़िताओं पर धन के दबाव तथा सत्ता

तिब्बत में भीषण भूकंप के बाद 4.5 तीव्रता का आफ्टरशॉक, मृतकों की संख्या 16 हुई, बड़े पैमाने पर बचाव अभियान जारी

चीन के स्वशासित क्षेत्र तिब्बत में भीषण भूकंप के दो दिन बाद शनिवार सुबह एक बार फिर आफ्टरशॉक (भूकंप का झटका) महसूस किया गया। हालांकि, यह रिक्टर स्केल पर 4.5 तीव्रता का एक मध्यम झटका था। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में



दहशत फैल गई, हालांकि किसी नए नुकसान या हताहत होने की तुरंत कोई सूचना नहीं है। भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (छे) के अनुसार, इस आफ्टरशॉक का केंद्र 31. 485 उत्तरी अक्षांश और 93. 528 पूर्वी देशांतर पर जमीन से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में दर्ज किया गया। फिलहाल किसी तरह के नुकसान या किसी की जान जाने की कोई खबर नहीं है, लेकिन इस झटके से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

तिब्बत में बचाव अभियान जारी

चीनी अधिकारी तिब्बत में

और बचाव अभियान पर नजर रख रहे हैं और उन्होंने प्रभावित लोगों के लिए उचित आवास की व्यवस्था करने को कहा है। उन्होंने कहा है कि जान-माल के नुकसान को कम से कम करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए। इसके अलावा, शी ने अधिकारियों को इस क्षेत्र में होने वाली हर भूकंपीय गतिविधि पर बारीकी से नजर रखने का निर्देश दिया है।

अधिकारियों के अनुसार, मरने वालों की संख्या 16 है और 76 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि गुरुवार को 10 किलोमीटर से कम गहराई में 7 तीव्रता का भूकंप आया था, जिससे तिब्बत के नागकू शहर के दूरदराज के बाकेन काउंटी में भारी तबाही हुई और कई लोगों की जान चली गई। चीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी श्शिनहुआश के अनुसार, भूकंप के कारण संचार व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई।

मेलानिया ट्रंप की पहल से यूक्रेन और रूस स्थानीय संघर्ष विराम पर सहमत

यूक्रेन और रूस ने अमेरिका की मध्यस्थता वाली शांति वार्ता को फिर से शुरू करने की इच्छा जताई है और दोनों देश मेलानिया ट्रंप के नेतृत्व वाले मानवीय मिशन का समर्थन कर रहे हैं। लेकिन इस हफ्ते क्षेत्र और सुरक्षा गारंटी को लेकर फिर से उभरे गहरे मतभेद, युद्ध को खत्म करने की राह में आने वाली बाधाओं को रेखांकित करते हैं। साढ़े चार साल से ज़्यादा समय तक चली लड़ाई के बाद, नयी कूटनीतिक पहल सामने आई है, जिसके साथ शुक्रवार को एक चौंकाने वाली घोषणा भी की गई। कीव और मॉस्को ने यूक्रेन के दक्षिणी युद्धग्रस्त क्षेत्र खेरसोन के एक शहर में अगले सप्ताह सहायता पहुंचाने की अनुमति देने के लिए स्थानीय युद्धविराम पर सहमति जताई है। अमेरिकी राष्ट्रपति जोनाल्ड ट्रंप की पत्नी एवं अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप और रूस तथा यूक्रेन के असैन्य वार्ताकारों के बीच गुप्त परामर्श के बाद यह सहमति बनी। हालांकि, इस पहल से भविष्य में इसी तरह के मानवीय अभियानों की उम्मीदें जगी हैं, लेकिन ऐसे बहुत कम संकेत मिले कि किसी भी अहम स्थिति में कोई बदलाव आया है। रूस यूक्रेन के उन इलाकों की मांग कर रहा है जिन पर उसका पूरा नियंत्रण नहीं है, जबकि कीव का जोर इस बात पर है कि किसी भी समझौते में आगे हमला न होने की पक्की गारंटी शामिल होनी चाहिए। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यह कहने के कुछ ही घंटों बाद कि वह वार्ता फिर से शुरू करने के लिए ‘सैद्धांतिक रूप से’ सहमत हैं, रूस ने कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से घातक हमला किया। मॉस्को ने कहा कि उसने अपने शहरों की ओर आ रहे 800 से अधिक यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया है। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय सह आवास क्रेमलिन के एक प्रवक्ता ने कहा कि बातचीत का अगला दौर नवंबर के मध्य के आसपास संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में होने की संभावना है।

फिलीपीन में वायुसेना के दो एसएफ–260 विमान टकराए, चार पायलट की मौत

फिलीपीन की वायुसेना के दो विमान प्रशिक्षण उड़ान के दौरान आपस में टकराने के बाद मनीला के दक्षिण में स्थित एक एयर बेस पर दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसमें सवार सभी चार पायलट की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दो एसएफ–260 विमान शुक्रवार अपराह्न कम ऊंचाई पर उड़ान भरते समय आपस में टकरा गए और राजधानी के दक्षिण में भटतीस प्रांत बाटांगस के लीपा शहर स्थित फर्नांडो एयर बेस पर दुर्घटनाग्रस्त हो गए। उन्होंने बताया कि एयर बेस पर कोई घायल नहीं हुआ है। वायुसेना ने इस हादसे के संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं दी है और इसे एक दुर्घटना बताया है। घटना की जानकारी रखने वाले फिलीपीन के दो अधिकारियों ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि दोनों विमानों की हवा में ही टक्कर हो गई। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि दो सीट वाला एक विमान एयर बेस में सैन्यकर्मियों के बैरक के पास दुर्घटनाग्रस्त होकर गिर पड़ा। वायुसेना ने कहा कि जांच जारी रहने तक इटली से खरीदे गए उसके शेष सभी एसएफ–260 विमानों की उड़ानों पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी गई है। वायुसेना ने यह स्पष्ट नहीं किया कि उसके पास कितने एसएफ–260 विमान शेष हैं। यह दुर्घटना पर्याप्त बजट की कमी से जुझ रही फिलीपीन सेना के लिए एक बड़ा झटका है।

पेरिस उपनगर में अंधाधुंध फायरिंग, MMA खिलाड़ी की मौत और 5 घायल

पेरिस के उपनगर में शुक्रवार को गोलीबारी में मारा गया व्यक्ति ‘मिक्सड मार्शल आर्ट्स’ का शौकिया खिलाड़ी था और उसके क्लब ने उसकी पहचान उजागर करते हुए यह जानकारी दी। फ्रांस के अधिकारियों ने इस हमले को नरस्ती भावना से प्रेरित बताया है। पेरिस के उत्तर में स्थित ओबरविलिए में ‘अट्च अकादमी’ ने इंस्टाग्राम पर एक बयान जारी कर मृतक की पहचान 26–वर्षीय पेंगो बोसियो वांगी के रूप में की और उन्हें श्रद्धांजलि दी। हालांकि, फ्रांस के अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से मृतक की पहचान उजागर नहीं की है। क्लब ने लिखा, “पेंगो हम में से एक था।” क्लब ने उसकी मुस्कान, ऊर्जा और उदारता को याद करते हुए कहा, “इस तरह किसी की जान लेने को किसी भी तरह सही नहीं ठहराया जा सकता।” अधिकारियों के अनुसार, इस गोलीबारी में 12–वर्षीय एक लड़की समेत कम से कम पांच लोग घायल हुए। एक बंदूकधारी ने वाहन में सवार होकर ट्रंप और ला वेरिएर के तीन स्थानों पर गोलीबारी की थी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार को इसे “नस्ली आतंकवादी हमला” बताया। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को उनकी “त्वचा के रंग या कथित धार्मिक पहचान” के कारण निशाना बनाया गया। गोलीबारी के तुरंत बाद एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया। फ्रांस के राष्ट्रीय आतंकवाद–रोधी अभियोजक कार्यालय ने मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है।

चीन के नहले पर भारत का दहला, बैन लगाया तो बना ली खुद की टनल कटर मशीन!

अभी देश में जितना इंफ्रास्ट्रक्चर बन रहा है रेलवे का हो, हाईवे का हो, पावर का हो, कई तरह के जो इंफ्रास्ट्रक्चर बन रहे हैं, उसमें टनल बोरिंग मशीनंस का यूज़ बहुत होता है। एक टाइम था जब टनल बोरिंग मशीन सारी की सारी इंपोर्ट करनी पड़ती थी। लेकिन अब 8 मीटर डायी की सारी टनल बोरिंग मशीनंस इंडिया में बनने लग गई है। अब तो 15 मीटर की टनल बोरिंग मशीनंस भी भारत में बनने लग गई है।



के सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित वीडियो में दो लोग पिस्तौल लिए गिरजाघर की ओर बढ़ते और गोलियां चलाते दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद एक तीसरा व्यक्ति दिखाई देता है, जिसके हाथ में अर्ध–स्वचालित राइफल नजर आ रही है। वह भी गोलीबारी शुरू कर देता है। इसके बाद तीनों हमलावर गिरजाघर की ओर दौड़ते हैं। घटनास्थल पर मौजूद लोगों द्वारा बनाए गए वीडियो में गिरजाघर के फर्श पर टूटे हुए कांच और जगह–जगह खून फैला हुआ दिखाई देता है। गिरजाघर के अंदर शोक व्यक्त करने के लिए जुटे लोगों में शामिल दोरघम हलासा ने बताया कि अंतिम संस्कार शुरू होने के 15 मिनट बाद गोलीबारी शुरू हो गई और लोग भागने लगे। हलासा ने हमलावरों को नहीं देखा, लेकिन बताया कि अन्य लोगों ने चार हमलावरों को देखने की बात कही। ‘एसोसिएटेड प्रेस’ स्वतंत्र रूप से हमलावरों की संख्या की पुष्टि नहीं कर सका। सरकार के एक बयान में कहा गया कि यह हमला “अज्ञात हमलावरों ने किया।” हालांकि, यह नहीं बताया गया कि किसी बंदूकधारी को पकड़ा गया या मार गिराया गया। जॉर्डन ने तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोक घोषित किया है।

नए उपद्रव की आशंका से पेरिस के प्रमुख संग्रहालय बंद, 70000 पुलिसकर्मी तैनात

फ्रांस में फिर से शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर अधिकारियों ने शनिवार को व्यापक पुलिस बल तैनात किया है और पेरिस के प्रमुख संग्रहालयों को बंद कर दिया गया है। सरकार की कोशिश है कि पिछले सप्ताह हुई हिंसा की पुनरावृत्ति को रोका जा सके। पिछले हफ्ते दुकानों में लूटपाट, गाड़ियों में आगजनी और सार्वजनिक प्रतिष्ठानों पर हमलों के बाद ऐसा लग रहा था कि सरकार का नियंत्रण समाप्त हो गया है। नकाबपोश उपद्रवियों ने पेरिस सहित कई अन्य शहरों के मुख्य व्यावसायिक क्षेत्रों को निशाना बनाया था। गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि देशभर में करीब 70,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित

शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र

समस्त जनपदों में • तहसील • ब्लॉक / शहर में

भर्ती - निम्न पदों हेतु

- ✓ **ब्यूरो प्रमुख**
- ✓ **चौफ रिपोर्टर**
- ✓ **समाददाता**
- ✓ **प्रतिनिधि मण्डल**

- **समाचार संकलन एवं ब्यूरो संचालन हेतु**
- **क्षेत्रीय रिपोटिंग व समाचार कवरेज हेतु**
- **स्थानीय समाचार, घटनाओं की रिपोर्टिंग हेतु**
- **जिला/तहसील/ब्लॉक स्तर पर प्रतिनिधित्व हेतु**

आकर्षक वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी

पात्रता एवं विवरण

- पत्रकारिता में रुचि रखने वाले अनुभवी/नवीन दोनों आवेदन कर सकते हैं
- स्थानीय खबरों की समझ और हिन्दी लेखन गूढ़गत्या आवश्यक
- सफलता जुड़ने के इच्छुक

संपर्क सूत्र:

919005239332 919450482227

संपर्क करें: शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र कार्यालय, प्रयागराज

हमारे साथ जुड़ें और पत्रकारिता में बनाएँ अपना भविष्य !